दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई़प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-268 भोपाल, शनिवार 7 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

सारा जगत स्वतंत्रता के लिए लालायित रहता है फिर भी प्रत्येक जीव अपने बंधनो को प्यार करता है।
- श्री अरविंद

पंचांग

श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी, शनिवार विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:54/7:01
वर्षा/बादल %	20 %
नमी %	96 %
वायु (किमी/घं.)	23
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	26°/22°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला ₹ 49,080

शेयर सूचकांक

बीएसई	54277.72	-215.12
निफ्टी	16238.20	-56.40

हरियाली सूचकांक

भारत 22%
म.प्र. 32%

मॉं प्रकृति की सेवा को भी समय दें

मुकेश अंबानी की 24 हजार करोड़ की डील रुकी

सुप्रीम कोर्ट ने रिलायंस-फ्यूचर डील पर रोक लगाई, अमेजन के फेवर में फैसला; RIL की मार्केट कैप 1.3 लाख करोड़ घटी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मुकेश अंबानी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने फ्यूचर-रिलायंस रिटेल डील मामले में अमेजन के पक्ष में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने रिलायंस-फ्यूचर रिटेल डील पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिलायंस, फ्यूचर ग्रुप की रिटेल संपत्ति खरीदने के सौदे पर आगे नहीं बढ़ सकता है।

रिलायंस का मार्केट कैप 1.3 लाख करोड़ रुपए घटा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्यूचर रिटेल की बिक्र ी को रोकने के लिए सिंगापुर आर्बिट्रेटर के फैसले को लागू किया जा सकता है। फ्यूचर रिटेल का रिलायंस रिटेल के साथ 3.4 अरब डॉलर (24,713 करोड़ रुपए) की डील आर्बिट्रेटर के फैसले को लागू करने के योग्य है। फैसले के बाद क्रस्श्व पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2त्न नीचे कारोबार कर रहा है। इससे कंपनी का मार्केट कैप 1.3 लाख करोड़ रुपए घटकर 13.47 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो बाजार बंद होने पर 14.77 लाख करोड़ रुपए था।

इसी साल फरवरी में अमेजन ने सुप्रीम कोर्ट में फ्यूचर ग्रुप के खिलाफ याचिका दायर की थी। इसमें फ्यूचर ग्रुप के

रिटेल असेट्स को रिलायंस रिटेल को बेचने को चुनौती दी गई।

अमेजन ने याचिका क्यों लगाई थी?

अगस्त 2020 में रिलायंस और फ्यूचर रिटेल के बीच सौदा हुआ। इस सौदे के खिलाफ अमेजन सिंगापुर की आर्बिट्रेशन कोर्ट पहुंची। 25 अक्टूबर 2020 को सिंगापुर की कोर्ट ने भी इस डील पर रोक लगा दी थी। सिंगापुर कोर्ट ने भी कोई आखिरी फैसला नहीं दिया है। अदालत जल्द ही इस पर फैसला दे सकती है, क्योंकि अक्टूबर में डील पर रोक लगाने के बाद कोर्ट ने कहा था कि वो 90 दिन में कोई फैसला देगी। चूंकि ये रोक सिंगापुर की कोर्ट ने लगाई थी, इसलिए रिलायंस और फ्यूचर इस आदेश को मानने के लिए बाध्य नहीं थे।

सीसीआई ने 20 नवंबर 2020 को डील को मंजूरी दी थी

20 नवंबर 2020 को कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने रिलायंस रिटेल और फ्यूचर ग्रुप सौदे को मंजूरी दी थी। CCI के जरिए बताया था कि कमीशन ने फ्यूचर ग्रुप के रिटेल, होलसेल और लॉजिस्टिक्स एंड वेयरहाउसिंग कारोबार की खरीदारी को मंजूरी दे दी है। अगस्त 2019 में अमेजन ने फ्यूचर ग्रुप की कंपनी फ्यूचर कूपन्स में 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। इसके लिए अमेजन ने फ्यूचर ग्रुप को 1,431 करोड़ रुपए चुकाए थे।

ड्रोन पर सरकार की साफ नीति

LoC और LAC समेत इंटरनेशनल बॉर्डर के 25 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन उड़ाने की इजाजत नहीं

» सिक्योरिटी एक्टिविटी के लिए अलग नियम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि किसी भी मानव रहित एयरक्रॉफ्ट सिस्टम को इंटरनेशनल बॉर्डर से 25 किलोमीटर के भीतर उड़ान भरने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इसमें लाइन ऑफ कंट्रोल , लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल और एक्चुअल ग्राउंड पोजिशन लाइन शामिल है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वीके सिंह ने लोकसभा में बताया कि,रु नियमों को 12 मार्च, 2021 को नोटिफाइड किया गया। मंत्रालय ने बताया कि इन नियमों में ड्रोन के इस्तेमाल को लेकर कई पहलुओं को कवर किया गया है। इसमें ड्रोन का रजिस्ट्रेशन, ओनरशिप, ट्रांसपोर्ट, इम्पोर्ट, ट्रैफिक मैनेजमेंट, फीस पेमेंट और पेनाल्टी शामिल है। सभी सिविलियन ड्रोन एक्टिविटीज को इन नियमों से रेग्युलेट किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर में एनकाउंटर : सांबा में हथियार बरामद, पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए जाने की आशंका

राजौरी में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकी ढेर किए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जम्मू

जम्मू-कश्मीर के राजौरी के थानामंडी इलाके में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया है। एनकाउंटर अभी भी जारी है। उधर, सांबा जिले के राजपुरा सेक्टर में बॉर्डर के पास हथियार बरामद हुए हैं। आशंका है कि इन्हें पाकिस्तानी ड्रोन से गिराया गया है, क्योंकि इस इलाके में ड्रोन देखा गया था। जम्मू जोन पुलिस ने बताया कि सेना और पुलिस के जवान राजपुरा के सरथियान गांव में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान 2 पिस्टल, 5 मैग्जीन, 122 राउंड गोलियां और एक साइलेंसर पैकेट में लिपटे हुए मिले। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 खत्म करने के 2 साल पूरे होने के मौके पर सेना और पुलिस पहले से अलर्ट है। इसीलिए सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले आर्टिकल-370 को खत्म करने

गुरुवार को दूसरी वर्षगांठ थी। इसी दिन श्रीनगर के डाउनटाउन इलाके में एक के बाद एक 2 जबरदस्त ब्लास्ट हुए। पहला ब्लास्ट दिन में डाउनटाउन इलाके में हुआ। दूसरा ब्लास्ट शाम के समय बेमिना इलाके में स्स्क्र की चौकी पर बताया जा रहा है। यहां आतंकियों ने ग्रेनेड फेंका था।

3 महीने पहले भी ड्रोन से हथियार गिराए गए थे

जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान से नापाक हरकतें जारी हैं। आतंकी संगठन जम्मू-कश्मीर में हथियार भेजने के लिए ड्रोन का सहारा ले रहे हैं। 14 मई को भी सांबा जिले की सीमा में ड्रोन से हथियार और गोला-बारूद गिराए गए थे, जिन्हें क्चस्स्न ने बरामद किया था। पॉलिथीन में लिपटे मिले ये हथियार पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए गए थे। इनमें एक AK-47, एक 9एमएम पिस्टल, एक मैग्जीन और 15 कारतूस थे।

भारत को जल्द मिल सकती है सिंगल डोज कोविड वैक्सीन

नई दिल्ली। देश में कोरोना वैक्सीन को लेकर एक अच्छी खबर सामने आई है। जल्द ही भारत को पहली सिंगल डोज कोविड टीका मिला सकता है। अमेरिका की जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी ने सिंगल डोज वैक्सीन के आपातकाल उपयोग के लिए आवेदन किया है। इस पर केंद्र सरकार जल्द फैसला ले सकती है। विदेशी वैक्सीन के आयात से देश के टीकाकरण अभियान की रफ्तार में तेजी आएगी। इससे पहले कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि भारत में अपनी सिंगल डोज कोविड वैक्सीन लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आफत का मानसून

6 राज्यों के 23 जिलों में भारी बारिश होने की आशंका, मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने देश के 6 राज्यों के 23 जिलों में 9 अगस्त तक तेज से लेकर भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। ये राज्य पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, नागालैंड, मेघालय और त्रिपुरा हैं। वहीं मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश होने की आशंका है। कर्नाटक और केरल में भी अगले गुरुवार तक भारी बारिश हो सकती है। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में 9 अगस्त तक रुक-रुककर बारिश होने के आसार हैं। इस दौरान पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों और उत्तराखंड में 10 अगस्त तक बारिश जारी रह सकती है।

मप्र में तबादलों पर 15 अगस्त तक रोक : मुख्यमंत्री शिवराज बोले-

बाढ़ के कारण अभी तबादले नहीं होंगे, नई तारीख जल्द बताएंगे

बाढ़ में मरने वालों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता देंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

ग्वालियर-चंबल इलाके में आई बाढ़ को लेकर शुक्रवार को शिवराज कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें फैसला किया गया कि सरकारी अफसरों और कर्मचारियों के तबादले तत्काल प्रभाव से रोके जा रहे हैं। जो हो चुके हैं, बस वही अभी रहेंगे। बचे हुए तबादलों के नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी। कैबिनेट बैठक में मंत्रियों ने कहा कि ट्रांसफर की सूची रुकी है। इस पर सीएम ने कहा कि अभी 15 अगस्त तक रुको। इसके बाद करेंगे। सीएम ने बैठक में कहा कि बाढ़ में मृतकों को परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इससे पहले केंद्र सरकार ने 2-2 लाख रुपए देने की घोषणा की है। बाढ़ में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि भयानक प्राकृतिक आपदा है। मैंने अपने जीवन में ऐसी त्रासदी नहीं देखी। मकान मलबे का ढेर हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तंज भी कसा और सहयोग की अपील भी की। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी पर बयान देने से कुछ नहीं होगा।

(गुना, अशोकनगर और ग्वालियर में भी राहत कैंप बनाए गए हैं।)

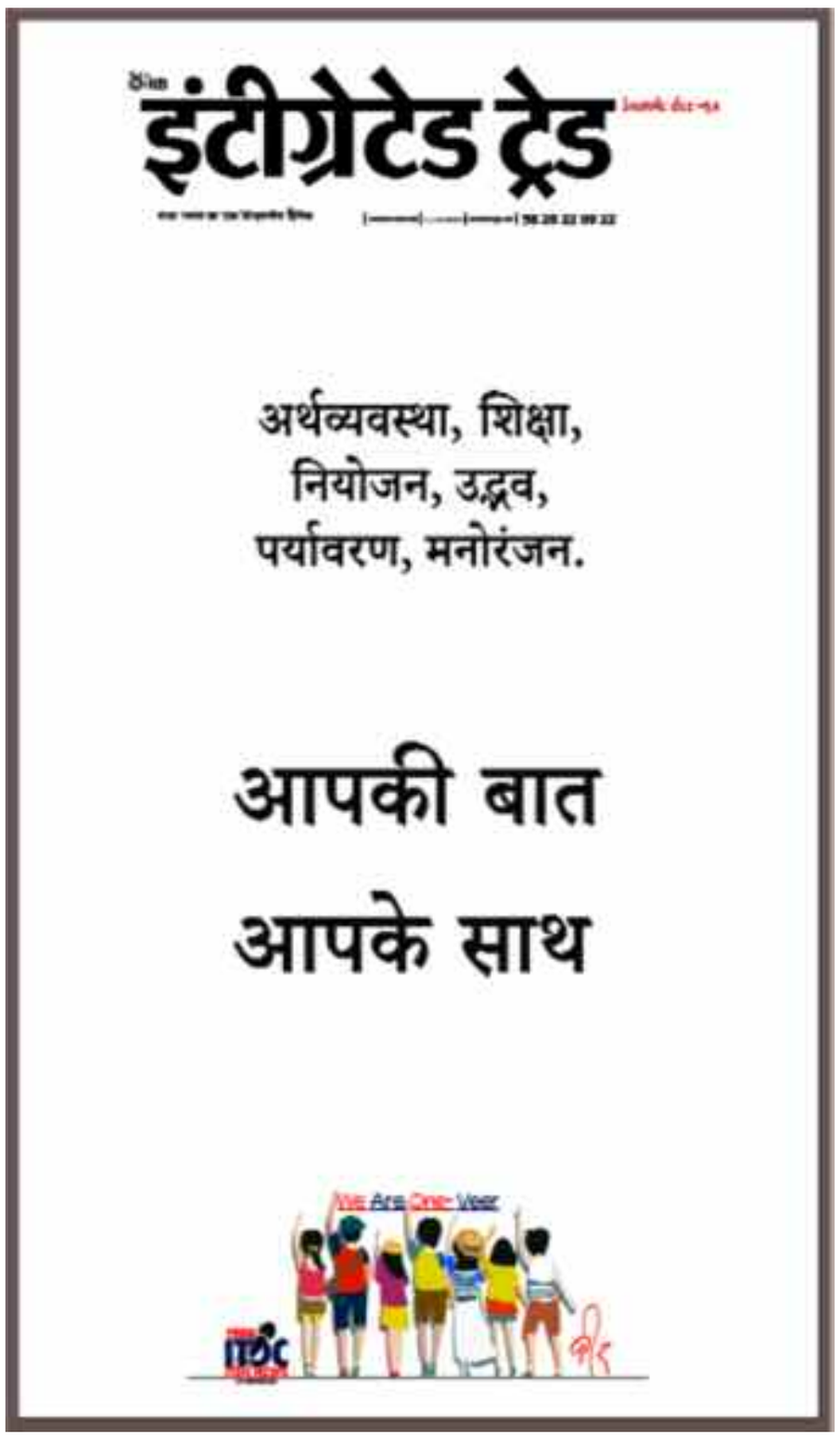

भोपाल में रिकॉर्ड बारिश : पिछले साल की तुलना में करीब 1 इंच पानी ज्यारा बरसा

वर्ष 2020 में 23.5 इंच गिरा था, 48 घंटे इसी तरह मौसम रहेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

झीलों की नगरी में चारों ओर हरियाली की चादर बिछ गई है। ऐसे में भोपाल के नजारे देखने के लिए बड़े तलाब से लेकर भदभदा, वन विहार और सैर सपाटा समेत अन्य जगहों पर लोगों की भीड़ नजर आने लगी है। मम्मी पापा के साथ बारिश के बीच लेक पहुंची नन्ही पाकी का कहना है कि उसे वन विहार और लेक ब्यू में घूमना अच्छा लगता है। वह अक्सर यहां घूमने आती है। भोपाल में बीते छह

दिन में रिमझिम फुहारों से 5 इंच तक पानी गिर चुका है। अब तक पिछले साल की तुलना में करीब एक इंच पानी गिर चुका है। पिछले साल इसी दौरान 23.5 इंच पानी गिरा था, जबकि इस साल अब तक यह 24.5 इंच से ज्यादा पानी बरस चुका है। अभी सेंटर एमपी में सिस्टम एक्टिव होने से 48 घंटे तक खासतौर पर भोपाल में रिमझिम पानी गिरता रहेगा। हालांकि उसके बाद ही मौसम में कुछ बदलाव होने की उम्मीद जताई जा रही है।

अभी दो दिन और सूरज नहीं दिखेगा

मौसम वैज्ञानिक पीके साहा ने बताया कि भोपाल में 22 जुलाई से रुक-रुककर बारिश हो रही है। इसके कारण धूप नहीं निकली है। अभी सेंट्रल एमपी में सिस्टम बना हुआ है। अभी यह दो दिन तक सक्रिय रहेगा। इसके खत्म होने के बाद रुक-रुककर भोपाल में कई जगहों पर बारिश होगी। अभी लगातार सिस्टम के कारण धूप निकलने की उम्मीद कम है, लेकिन सोमवार के बाद सूरज दिखाई दे सकता है। अगले सिस्टम के सक्रिय होने के समय के बारे में दो दिन बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। भोपाल में 22 जुलाई से रिमझिम हो रही है। हालांकि बीते छह दिन में 5 इंच पानी गिरने के कारण अब सामान्य ये करीब 4.5 इंच पानी ज्यादा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान से अर्थशास्त्री प्रो. शमिका रवि ने भेंट की

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से आज मंत्रालय में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन वाशिंगटन के इंडिया सेंटर, नई दिल्ली की निदेशक (रिसर्च) प्रो. शमिका रवि ने भेंट की। प्रो. शमिका रवि अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल में व्याख्यान के लिए भोपाल पधारी हैं। भेंट के अवसर पर संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी उपस्थित थे।

नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मिलने लगी

प्रो. शमिका रवि प्रधानमंत्री जी की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य भी रह चुकी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रो शमिका रवि का राजधानी में स्वागत करते हुए उन्हें मध्यप्रदेश में सुशासन के क्षेत्र में उठाये गये कदमों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि आम जनता को विभिन्न सेवाएँ उपलब्ध करवाने और प्रशासकीय व्यवस्था में प्रक्रियाओं को आसान बनाने के बारे में निरंतर कार्य हुआ है। इससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मिलने लगी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हाल ही में प्रदेश के कुछ जिलों में अतिवर्षा और बाड़ के संबंध में हुई क्षति और राज्य सरकार के राहत के प्रयासों की जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने करंज का पौधा लगाया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में आज करंज का पौधा लगाया। आयुर्वेदिक चिकित्सा में करंज का पौधा महत्वपूर्ण माना गया है। करंज के पौधे का इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। करंज का तेल कृमिनाशक होता है। मधुमेह, दंत रोगों में भी करंज का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी लकड़ी दातून के रूप में भी उपयोग में लाई जाती है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया श्रीमती सुषमा स्वराज को नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्यप्रदेश से सांसद रहीं स्व. श्रीमती सुषमा स्वराज को उनकी दूसरी पुण्य-तिथि पर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास सभाकक्ष में स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज के चित्र पर पुष्प माला अर्पित की। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया भी उपस्थित थे।

खनिज संसाधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह का दौरा कार्यक्रम

भोपाल। खनिज साधन, श्रम विभाग एवं होशंगाबाद जिले के प्रभारी मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह 7 अगस्त को होशंगाबाद जिले के सांवलखेड़ा ग्राम में आयोजित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना अंतर्गत निःशुल्क राशन वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मंत्री श्री सिंह कार्यक्रम के पश्चात भोपाल के लिए प्रस्थान करेगें।

शिवपुरी एवं श्योपुर में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति

भोपाल। शिवपुरी जिले में जिला मुख्यालय तथा तहसील मुख्यालय के सभी 11 के.व्ही. फीडरों से विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई है। जिले के 161 घरेलू फीडरों में से 150 फीडरों पर विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई है। कुछ फीडर आंशिक रूप से चालू किये गये हैं। बंद फीडरों पर लगातार सुधार कार्य कर विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बहाल करने का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार जिले में 33/11 के.व्ही. के 98 उपकेन्द्र में से 89 उपकेन्द्र चालू किये जा चुके हैं। अत्यधिक बारिश एवं बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों के 9 उपकेन्द्र पहुँच से दूर हैं।

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश में मजबूत कड़ी होगा हाथकरघा उद्योग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के सपने को साकार बनाने में हाथकरघा उद्योग एक मजबूत कड़ी है। देश और प्रदेश में हाथकरघा बुनकरों की कला को सम्मानित करने एवं हाथकरघा उद्योग को समृद्ध करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस का आयोजन किया जाता है। इस श्रृंखला में इस वर्ष भी राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस का आयोजन गौहर महल, भोपाल में किया जा रहा है। आयुक्त हाथकरघा श्री राजेश कौल ने बताया कि हाथकरघा संचालनालय एवं संत रविदास म.प्र.हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा प्रदेश के हाथकरघा क्लस्टर चंदेरी, महेश्वर, सारंगपुर मंदसौर, वारासिवनी एवं सौसर में भी 7वें राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर आयोजन किये जा रहे हैं। इस अवसर पर नवीन विकसित किये जा रहे हाथकरघा क्लस्टर डिण्डोरी जिले के विकास खण्ड-बजाग, ग्राम पिंडरूखी एवं सरवाही के 50 बुनकर हितग्राहियों को हाथकरघा एवं सहायक उपकरण और 5 बुनकरों को ताना मशीन 90त्न अनुदान पर

प्रदान किये जायेंगे। इसी क्रम में महेश्वर और चंदेरी में बुनकरों के लिये कार्यशालाएँ आयोजित की जायेंगी। पारम्परिक हाथकरघा क्लस्टर चंदेरी में रियल-जरी वैवाहिक साड़ी के डिजाइन विकास तथा प्रदेश की स्थापत्य धरोहरों के डिजाइनों पर आधारित वस्त्रों के डिजाइन विकास करने के लिये 75-75 दिवस की कार्यशालाऐं प्रारंभ की जायेंगी। इनमें 40 बुनकर उद्यमी लाभान्वित होंगे। महेश्वर में रियल-जरी वैवाहिक साड़ी एवं स्थापत्य डिजाइन विकास की कार्यशालाओं में 30 उद्यमी को चुनकर लाभान्वित किया जाएगा। इसी प्रकार सॉसर में कॉटन वस्त्र/स्टोल के नवीन डिजाइन में 20 बुनकर उद्यमियों द्वारा उत्पादन प्रारंभ किया जायेगा।

गौहर महल में सावन उत्सव की बहार

इस वर्ष कोविड महामारी के कारण बुनकरों के पास एकत्रित सामग्री को विक्रय करने के लिये निगम द्वारा 01 से 14 अगस्त 2021 तक भोपाल के गौहर महल में सावन उत्सव का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रदेश के बुनकरों एवं हस्त शिल्पियों को उनकी सामग्री के विक्रय का अवसर प्राप्त हो रहा है।

मृगनयनी एम्पोरियम से वर्चुअल प्रदर्शनी

7 अगस्त को राष्ट्रीय हाथकरघा विकास निगम भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय द्वारा आयोजित वर्चुअल प्रदर्शनी में मृगनयनी एम्पोरियम के माध्यम से प्रदेश के बुनकरों द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया जायेगा। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हाथकरघा समारोह के दौरान चंदेरी, महेश्वर, सारंगपुर एवं मंदसौर के बुनकर जूम मीटिंग से सीधा संवाद करेंगे।

हाथकरघा वस्त्रों पर 30 प्रतिशत की विशेष छूट

संत रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के प्रदेश में स्थित 24 मृगनयनी एम्पोरियमों में 7 अगस्त से 14 अगस्त, 2021 तक हाथकरघा सप्ताह में हाथकरघा वस्त्रों पर 30त्न तक की विशेष छूट भी ग्राहकों को दी जाएगी।

पैसा कितना खर्च हुआ से ज्यादा महत्वपूर्ण है पैसा कैसे खर्च हुआ : प्रो. शमिका रवि

» सुशासन संस्थान में व्याख्यान माला असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

पैसा कितना खर्च हुआ है से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि पैसा कैसे खर्च हुआ। स्वास्थ्य सेवाओं में अमेरिका कुल जीडीपी का 18 प्रतिशत जबकि सिंगापुर मात्र 4 प्रतिशत खर्च करता है, लेकिन स्वास्थ्य सूचकांक लगभग समान हैं। सीनियर फेलो ब्रूकिंग इंस्टीट्यूशन वॉशिंगटन डीसी प्रो. शमिका रवि ने यह बात अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यान माला असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम में द प्रोमिस ऑफ सोशल इंटरप्राइजेस इन इंडियन ग्रोथ एंड डेव्हलेपमेंट विषय पर व्याख्यान देते हुए कही। वैक्सीनेशन में हुआ बेहतर कार्य प्रो. शमिका रवि ने कहा कि सोशल इंटरप्राइजेस शहरों के निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों को ही सेवाएँ देते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सोशल इंटरप्राइजेस का उपयोग मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में बेहतर ढंग से होना चाहिए। उन्होंने बताया कि कोविड-19 वैक्सीनेशन में मध्यप्रदेश में अन?य राज्यों की तुलना में बेहतर कार्य हुआ है। इसी तरह अन्य सेक्टर में भी कार्य होने पर विकास को गति मिलेगी। प्रो. रवि ने कहा कि किसी भी देश में शहर ग्रोथ के इंजन के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने प्रति व्यक्ति आय की जानकारी देते हुए बताया कि पंजाब और नागालैण्ड की प्रति व्यक्ति आय लगभग समान है। प्रो. रवि ने कहा कि किसानों द्वारा उत्पादित सामग्री के लिए मार्केट उपलब्ध होना चाहिए। लाभकारी खेती के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन जरूरी है। प्रो. रवि ने कहा कि विकास की योजनाएँ बनाने के लिए रियल टाइम डाटा जरूरी है। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक और आंध्रप्रदेश में स्व-सहायता समूहों का गठन एक साथ शुरू हुआ था। प्रो. रवि ने श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यान माला असरदार परिवर्तन टिकाऊ परिणाम में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और सीनियर फेलो ब्रूकिंग इंस्टीट्यूशन वाशिंगटन डी.सी. प्रो. शमिका रवि ने व्याख्यान दिया।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम- 7 अगस्त पर विशेष

अन्न उत्सव दिवस
बिसाहूलाल सिंह, मंत्री

फादर डे, मदर डे, टीचर डे ऐसे ही न जाने कितने डे । डे यानी दिवसों के बारे में हमने सुना है और मनाया भी है और मनाते भी है। यह कल्चर और यह परंपरा हमारी नहीं है और शायद हमें जरूरत भी नहीं है। परंतु पिज्जा बर्गर के इस दौर में हमें और हमारे देश के एक बहुत बड़े वर्ग क्रके बारे में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोचा और जो सोचा उसे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के रूप में जमीन पर उतारा भी। हर गरीब पात्र हितग्राही को निःशुल्क राशन वितरण के आयोजन के पीछे सरकार की मंशा यही है कि इस योजना का लाभ प्रदेश के हर उस व्यक्ति को मिले, जो इसका वास्तविक हकदार है। नागरिकों को जीवन यापन की प्रमुख जरूरतें मुहैयया कराने के लिए शासन सदैव प्रयत्नशील है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस जन हितैषी आयोजन के लिए स्वयं वर्चुअली हितग्राहियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप कोरोना काल में हर नागरिक को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उदेश्य से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सभी हितग्राहियों को प्रतिमाह प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं /चावल वितरित किया जा रहा है। इस दिन दस किलो की क्षमता वाली थैली में सबको भोजन, पर्याप्त पोषण की कल्पना के साथ राशन वितरित किया जा रहा है। दिनांक 7 अगस्त को आयोजित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से सरकार प्रदेश की 25 हजार 435 उचित मूल्य की दुकानों से निःशुल्क राशन वितरित कर रही है। इस योजना का लाभ प्रदेश के बाहर रहने वाले पात्र हितग्राही भी ले सकेंगे। हमारे देश का इतिहास गवाह है जब भी देश पर किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा या संकट आया सरकार ने अपने नागरिकों के लिए खुले दिल और दिमाग से योजना बनाकर आमजन की मदद के लिए अपने खजाने खोल दिए। देश ही नहीं सारी दुनिया में कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जनता से आग्रह स्वरूप कहे गए तीन वाक्य 1.घर पर रहें 2. घर पर ही रहें 3. सिर्फ घर पर ही रहें, का असर यह रहा कि आम आदमी अपने काम-धंधा छोड़कर अपने घर में ही रहकर कोरोना की जंग में शामिल हो गया। एक आम आदमी जो प्रतिदिन कमाता खाता था, बिना पैसे के कितने दिन घर में रह सकता था।उसके और उसके परिवार के सामने भोजन की चुनौति सामने आ खड़ी हुई। सरकार ने कोरोना से लड़ते हुए इस जिम्मेदारी को भी निभाते हुए गरीब परिवारों को राशन उनके घर तक निःशुल्क पहुँचाने की महती भूमिका निभाई। कोरोना की पहली लहर के बाद दूसरी लहर अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है, इस बात को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क राशन माह नवंबर तक वितरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियम के माध्यम से कोरोना महामारी में आर्थिक रूप से टूट चुके लोगों को निःशुल्क राशन वितरित करवाकर उन्हें खाद्यन्न सुरक्षा प्रदान की है। यह नागरिकों के प्रति केन्द्र एवं राज्य सरकार की संवेदनशीलता का एक संवेदनशील उदाहरण है। सरकार ने इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के सभी नागरिकों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराई है। प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री के रूप में मैं यह कह सकता हूँ कि अन?दिवस के अवसर पर हम प्रदेश के लगभग 4 करोड़ 83 लाख हितग्राहियों को उचित मूल्य की दुकान से खाद्य सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

जेएमसी प्रोजेक्ट्स को 1,451 करोड़ रुपये के ठेके मिले

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग कंपनी जेएमसी प्रोजेक्ट्स ने शुक्रवार को कहा कि उसे 1 कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने देश में 1,451 करोड़ रुपये की जल परियोजनाएं हासिल की हैं। जेएमसी प्रोजेक्ट्स ने कहा, ''हमें अपने जल व्यवसाय में नए ठेके पाने की खुशी है। ये ठेके जल व्यवसाय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे और हमारे ग्राहक आधार को और व्यापक बनाएंगे।''

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे चढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दर को अपरिवर्तित रखने के फैसले के बीच भारतीय रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे बढ़कर 74.10 पर पहुंच गया। आरबीआई ने मौद्रिक नीति के तहत नीतिगत दर रेपो को चार प्रतिशत पर बरकरार रखा। साथ ही मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आर्थिक वृद्धि को गति देने तथा मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अंतर्गत रखने के लिये जबतक जरूरत हो, नरम रुख बरकरार रखने का फैसला किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में घरेलू इकाई डॉलर के मुकाबले 74.11 पर खुली, और बढ़त के साथ 74.10 पर पहुंच गई, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 74.17 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 92.35 पर था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को सकल आधार पर 719.88 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.22 प्रतिशत बढ़कर 71.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

बैंक में धोखाधड़ी से बचें : बैंक खाताधारक की मौत के बाद पैसा आपको मिलेगा गारंटी नहीं, पर्सनल नाम से चेक न दें

» कोरोना के दौरान ऐसी बहुत सारी समस्याओं का सामना लोगों को करना पड़ा है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्या आपने सोचा है कि अगर एक बैंक खाताधारक की मौत हो जाए तो उसका पैसा किसे मिलेगा? या उस पैसे को कैसे पा सकते हैं? कोरोना के दौरान ऐसी बहुत सारी समस्याओं का सामना लोगों को करना पड़ा है। साथ ही अगर आप बैंक में डिपॉजिट करते हैं तो आपको ध्यान रखना चाहिए कि चेक कभी भी पर्सनल नाम से न दें।

केस-1- खाताधारक की मौत का फायदा बैंक मैनेजर ने उठाया

मामला मुंबई के HSBC बैंक का है। यहां एक खाताधारक की मौत हो गई। बहुत दिनों तक जब खाता में लेन-देन बंद हो गया तो इसका फायदा बैंक मैनेजर ने उठाया। उसने देखा कि इतने दिनों तक कुछ लेन-देन नहीं हुआ तो उसने खाता में से 75 लाख रुपए अपने रिश्तेदारों के नाम ट्रांसफर कर दिया। काफी दिनों बाद खाताधारक की बेटी ने बैंक से अपील की कि उसके पिता का पैसा उसके खाते में ट्रांसफर कर दिया जाए। बैंक ने इसमें एक साल लगा दिया।

खाताधारक की मौत के बाद 6 साल तक चलता रहा अकाउंट

इसकी शिकायत जब टॉप अधिकारियों के पास पहुंची तो इसकी जांच की गई। जांच में पता चला कि उस ब्रांच में ऐसे कई अकाउंट से पैसे ट्रांसफर किए जा चुके हैं। एक खाता ऐसा मिला जिसके मालिक की 2015 में मौत हो गई थी। उसकी मौत के 6 साल बाद तक खाता को चलाया गया और खाते से 21 लाख रुपए गायब हो गए। यह पैसे ट्रांसफर करने के लिए बैंक मैनेजर ने खुद एक नया चङ्घष्ट (नो योर कस्टमर) फॉर्म भरा और इसमें मोबाइल नंबर बदल दिया।

ज्यादा वारिस हुए तो मुश्किल बढ़ जाती है

ऐसे मामलों में या प्रॉपर्टी के मामलों में जब एक से ज्यादा कानूनी वारिस होते हैं तो मुश्किल बहुत बढ़ जाती है। क्योंकि आपको पैसा या प्रॉपर्टी पाने के लिए कोर्ट जाना होगा और वकील की फीस भी देनी होगी। ऐसे मामलों में आपको एक विल बनाना चाहिए और इसे रजिस्टर्ड करना चाहिए। विल बनने का यह फायदा होगा कि आपने जो लिखा होगा, वही होगा। यानी चार वारिस हैं तो आपको चाहिए कि सबसे हिस्से में कितना पैसा या प्रॉपर्टी आएगी, उसे उसमें लिख दें।

विदेशी निवेशकों में भरोसा जगाने की कवायद

विवादित रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स कानून रद्द करने के लिए सरकार बिल लाई

यही था वोडाफोन और केयर्न एनर्जी से विवाद की वजह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार विवादित रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स कानून रद्द करने के लिए बिल लाई है। इसे गुरुवार को लोकसभा में पेश किया गया। इसी कानून की वजह से ब्रिटेन की वोडाफोन और केयर्न एनर्जी जैसी कंपनियों के साथ उसका टैक्स विवाद हुआ था। दोनों कंपनियों ने रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स की मांग के खिलाफ विदेशी मध्यस्थता अदालतों में मुकदमा दायर किया था और जीत हासिल की थी।

28 मई 2012 से पहले हुए सौदों पर रेट्रोस्पेक्टिव तरीके से टैक्स नहीं:- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार कराधान कानून (संशोधन) विधेयक का प्रस्ताव रख रही है। उन्होंने लोकसभा में दिए बयान में कहा, %इस विधेयक के जरिए आयकर कानून, 1961 में बदलाव करने का प्रस्ताव रखा जा रहा है। इसके मुताबिक, सरकार 28 मई 2012 से पहले हुए सौदों में भारतीय संपत्ति के अप्रत्यक्ष हस्तांतरण पर रेट्रोस्पेक्टिव तरीके से टैक्स नहीं मांगेगी।

संबंधित पक्षों को लंबित मुकदमे वापस लेने होंगे

सीतारमण ने कहा, 28 मई 2012 से पहले भारतीय संपत्तियों के अप्रत्यक्ष हस्तांतरण पर हुई टैक्स की मांग रद्द किए जाने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, लेकिन इसकी कुछ शर्तें होंगी। संबंधित पक्षों को लंबित मुकदमे वापस लेने होंगे और यह हलफनामा देना होगा कि वे किसी तरह का क्षतिपूर्ति या ब्याज का दावा नहीं करेंगे। इसके अलावा ऐसे मामलों में जो रकम वसूल की गई थी वह अब बिना ब्याज लौटाई जाएगी।

विदेशी निवेशकों की चिंता दूर करना सरकार की मंशा

सरकार ने कहा है कि पिछले कुछ साल में फाइनेंशियल और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बड़े सुधार शुरू किए गए हैं, जिससे देश में निवेश को लेकर सकारात्मक माहौल बना है। इनकम टैक्स एक्ट में रेट्रोस्पेक्टिव तरीके से बदलाव किए जाने के बाद कुछ मामलों में टैक्स मांगा जाना निवेशकों के लिए दुखती रग बन गया। देश आज उस स्थिति में पहुंच गया है, जहां कोविड के बाद तुरंत इकोनॉमिक रिकवरी वक्त की मांग बन गई है। विदेशी निवेश तेज इकोनॉमिक ग्रोथ और रोजगार को बढ़ावा देने में अहम रोल निभा सकता है।

केयर्न एनर्जी से मामले के निपटारे के लिए नहीं मिला औपचारिक प्रस्ताव

सरकार की तरफ से आयकर कानून में बदलाव का प्रस्ताव तब पेश किया गया है, जब केयर्न एनर्जी मध्यस्थता अदालत के आदेश पर सरकार से 1.2 अरब डॉलर का टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया में जुटी है। सरकार ने सोमवार को कहा था कि उसे देश के कानूनों के मुताबिक, मामले के निपटारे के लिए कंपनी की तरफ से कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है।

सुस्त हो सकती है आर्थिक रिकवरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में दो अंकों की जोरदार बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि राजस्व व्यय में गिरावट से आर्थिक रिकवरी सुस्त पड़ सकती है। अर्थव्यवस्था में मांग को बढ़ाने में राजस्व व्यय की अहम भूमिका होती है। पहली तिमाही के दौरान इसमें 2.4 प्रतिशत की गिरावट आई है और ग्रामीण व्यय में बहुत घटा है। इसके अलावा विशेषज्ञों ने कहा कि राजस्व खर्च में कमी संभवत- पूंजीगत व्यय की ओर नहीं मोड़ा गया है। अप्रैल महीने में पिछले साल की तुलना में 35.6 प्रतिशत संकुचन के बाद केंद्र ने राजस्व व्यय मई महीने में 32.4 प्रतिशत और जून में 8.9 प्रतिशत बढ़ाया है। पहली तिमाही में पूंजीगत व्यय 26 प्रतिशत बढ़कर 1.14 लाख करोड़ रुपये हो गया है। राजस्व व्यय नियत देयताओं या चल रहे परिचालन व्यय जैसे वेतन और पेंशन में जाता है, लेकिन इससे मांग के सृजन में मदद मिलती है। राजस्व व्यय का एक हिस्सा सब्सिडी होती है और इस हिस्से पर लगाम लगाने को विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन माना जाता है। बहरहाल सब्सिडी को छोड़कर राजस्व व्यय में कुल खर्च की तुलना में पहली तिमाही में भारी कमी आई है। पूंजीगत व्यय का इस्तेमाल बुनियादी ढांचा जैसी संपत्तियों के सृजन में होता है और यह गुणक का काम करता है। आर्थिक वृद्धि पर इसका असर दिखने में वक्त लगता है क्योंकि मंजूरियों और श्रमिकों की उपलब्धता जैसी समस्याएं इसमें आती हैं।

रिजर्व बैंक ने नहीं घटाया रेट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ने एक बार फिर प्रमुख दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह लगातार 8 वीं बार है जब दरों को जस का तस रखा गया है। इससे पहले मई 2020 में रेपो रेट को घटाया गया था। इससे जिन लोगों ने कर्ज लिया है, वे अभी कुछ और समय तक कम ब्याज दरों का आनंद ले सकते हैं। पर जो लोग कर्ज लेना चाहते हैं, उन्हें क्या करना चाहिए, हम बता रहे हैं।

3 दिनों की रिजर्व बैंक की बैठक खत्म हुई:- रिजर्व बैंक की 6 अगस्त को मौद्रिक नीति कमिटी की 3 दिनों की बैठक खत्म हुई। रेपो रेट 4 फीसदी पर और रिवर्स रेपो रेट 3.35 फीसदी पर बरकरार है। रेपो रेट का यह लेवल 2001 अप्रैल के बाद सबसे निचला लेवल है। रिजर्व बैंक के फैसले के बाद ज्यादातर बैंक अभी निकट समय में ब्याज की दरों में कोई बढ़त नहीं करेंगे।

ब्याज दर काफी जरूरी फैक्टर है

होम लोन जिन लोगों ने ले रखा है, उनके लिए ब्याज दर काफी जरूरी फैक्टर होता है। यही फैसला करता है कि कितना आप लोन का पेमेंट किस्त के रूप में कर सकते हैं। होम लोन सबसे लंबे समय का लोन होता है। कर्ज लेने वाले ज्यादातर लोग ब्याज दरों में कमी चाहते हैं।

नए लोन वालों को ज्यादा समय मिलता है

जो नए लोन लेने वाले लोग हैं उनको ज्यादा समय मिलता है। ज्यादातर होम लोन फ्लोटिंग रेट पर दिया जाता है। रिजर्व बैंक ने अक्टूबर 2019 से फ्लोटिंग रेट को अनिवार्य किया है। बैंक इसे अपने एक्सटर्नल बेंचमार्क जैसे रेपो रेट से जोड़ देते हैं।

जेएंडजे ने भारत में अपनी कोविड वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग के लिए आवेदन किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रमुख जॉनसन एंड जॉनसन (जेएंडजे) ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपनी एकल खुराक वाली कोविड-19 वैक्सीन के भारत में आपातकालीन उपयोग की अनुमति (ईयूए) के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने इससे पहले सोमवार को कहा था कि वह भारत में अपनी एकल खुराक वाली कोविड-19 वैक्सीन लाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस संबंध में भारत सरकार के साथ चल रही चर्चा को लेकर आशान्वित है। कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''जॉनसन एंड जॉनसन प्राइवेट लिमिटेड ने पांच अगस्त 2021 को भारत सरकार के पास अपनी एकल खुराक वाली कोविड-19 वैक्सीन के ईयूए के लिए आवेदन किया।'' बयान में कहा गया कि यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो बायोलॉजिकल ई लिमिटेड के साथ कंपनी के गठजोड़ से भारत के लोगों और बाकी दुनिया को कोविड-19 वैक्सीन की एकल-खुराक का विकल्प देता है। बयान में कहा गया, ''बायोलॉजिकल ई हमारे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा, जो हमारी जॉनसन एंड जॉनसन कोविड-19 वैक्सीन की आपूर्ति में मदद करेगा।''

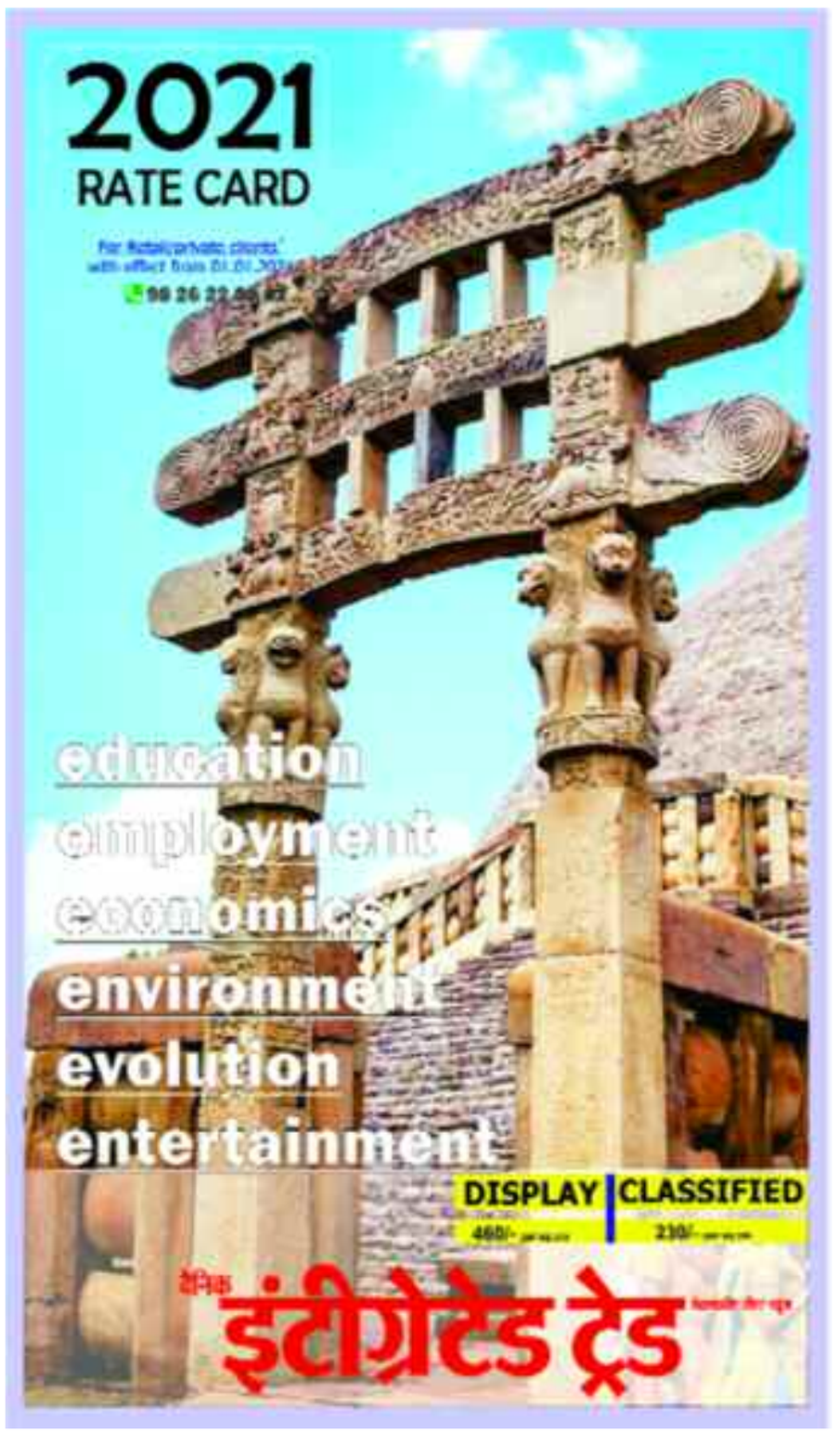

वी के कर्ज को शेयर में बदलेंगे ऋणदाता!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वोडाफोन आइडिया (वी) के ऋणदाता अपने कर्ज को शेयर में बदलने की योजना पर विचार कर रहे हैं, जिससे मौजूदा शेयरधारकों- वोडाफोन पीएलसी और आदित्य बिड़ला समूह की हिस्सेदारी इस कंपनी में काफी कम हो जाएगी। बैंकिंग सूत्रों के मुताबिक कर्ज को इक्विटी में बदलने की योजना पर विचार किया जा रहा है और दोनों प्रवर्तक अपनी हिस्सेदारी कम करने पर राजी हो गए हैं। वी में ब्रिटेन की वोडाफोन पीएलसी की 45 फीसदी और आदित्य बिड़ला समूह की 27 फीसदी हिस्सेदारी है। बाकी हिस्सा संस्थागत या खुदरा शेयरधारकों के पास है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा, %सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है और कोई नहीं चाहता कि यह कंपनी दिवालिया हो या खत्म हो जाए।% वी पर 25,000 करोड़ रुपये का कर्ज है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 11,000 करोड़ रुपये, येस बैंक का 4,000 करोड़ रुपये और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का 3,240 करोड़ रुपये का कर्ज है। पंजाब नैशनल बैंक ने भी इसे 3,000 करोड़ रुपये का कर्ज दिया है। कई बैंक वी से होने वाले घाटे के लिए सितंबर तिमाही में प्रावधान करने की तैयारी में हैं। सरकारी बकाये समेत कंपनी की कुल देनदारी 1.8 लाख करोड़ रुपये है। बैंक अधिकारी ने कहा कि दोनों में से किसी प्रवर्तक कंपनी की अभी कोई प्रवर्तक अथवा कॉरपोरेट गारंटी नहीं है। वोडाफोन पीएलसी ने वोडाफोन इंडिया में 30 अरब डॉलर का निवेश किया है और पूरा निवेश बट्टे खाते में डाल दिया है। वोडाफोन पीएलसी मई, 2007 में हचीसन की हिस्सेदारी 11 अरब डॉलर में खरीदकर भारत आई थी। इसने बाद में रुइया परिवार की हिस्सेदारी भी 5 अरब डॉलर में खरीद ली। आदित्य बिड़ला समूह भी दूरसंचार में शुरुआती निवेशक था और 1996 से ही इसमें है। दोनों प्रवर्तकों ने दूरसंचार क्षेत्र में कुल 1.7 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है।

दुष्कर्म के मामलों पर राजनीति दुर्भाग्यजनक

यूं तो प्रत्येक दुष्कर्म किसी भी महिला, उसके पूरे परिवार और समस्त समाज को झकझोरने के लिये काफी होता है पर भारत की बात कुछ और ही है। यहां ऐसी घटनाएं राजनैतिक फायदा उठाने का नायाब अवसर होती हैं। ऐसे मामलों में पीड़िताओं या उसके परिजनों को ढाढस बंधाना, उनके साथ खड़े होना अथवा न्याय दिलाना तो एक तरफ रह जाता है, उसे सभी सियासी दल एक-दूसरे पर आक्रमण करने का मौका मानते हैं। दिल्ली में एक 9 वर्षीय बालिका के साथ हुए दुष्कर्म को लेकर चल पड़ी राजनीति इसी नये भारत की झलक है जो पिछले कुछ समय से सबके सामने है। देश की राजधानी के ओल्ड नांगलगांव में इस मासूम से दुष्कर्म कर उसे जला दिया गया। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी उसके पीड़ित परिवार से मिलने गये। उन्होंने पीड़िता के मां-बाप से मुलाकात कर उनकी तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कर दीं। मूल राजस्थान के उक्त परिवार की यह बच्ची शाम 5.30 बजे शमशान में पानी लेने गई थी। वहां वह संदेहास्पद स्थिति में मृत पाई गई। बलात्कार के बाद उसकी हत्या होने का शक है। सबूत मिटाने के लिये उसे आनन-फानन में जला दिये जाने का आरोप है। बस्ती में इस मामले को लेकर स्थिति बिगड़ गई। संबंधित परिवार एवं बस्ती वालों का आरोप है कि पुलिस मामले को दबाकर दोषियों को बचा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर राहुल वहां गये और परिजनों से अपनी कार के भीतर ही मिले। उसके बाद उन्होंने ट्विटर पर तस्वीरें जारी कर लिखा- माता-पिता के आंसू सिर्फ एक बात कह रहे हैं कि उनकी बेटी देश की बेटी है और न्याय की हकदार है। इस न्याय के रास्ते पर मैं उनके साथ खड़ा हूं। बेशक, पॉक्सो एक्ट की धारा 23 एवं जुवेनाईल जस्टिस केयर के सेक्शन 74 का उल्लंघन होने के नाते यह गैरकानूनी है। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता सम्बित पात्रा ने इसे तत्काल मुद्दा बना लिया। दुष्कर्म की आलोचना करने की बजाय उन्होंने माता-पिता की तस्वीर के माध्यम से बच्ची की पहचान उजागर करने के लिए राहुल की आलोचना करते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग से मांग करेंगे कि वह राहुल के खिलाफ आवश्यक कानूनों के अंतर्गत कार्रवाई करे। सम्बित यहीं तक नहीं रुकते और कहते हैं- क्या राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब की दलित बेटियां हिंदुस्तान की नहीं हैं? उल्लेखनीय है कि दिल्ली की पुलिस केन्द्र के तहत है और जिन राज्यों का उन्होंने नाम लिया वहां कांग्रेस की सरकारें हैं। यह सचमुच बेहद निकृष्ट दर्जे की राजनीति है जिसे देशवासी पिछले कुछ समय से देख रहे हैं। भारत में बलात्कारों समेत महिलाओं-बच्चों के उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। नेशनल क्राईम ब्यूरो की 2019 की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में औसतन 88 बलात्कार रोज होते हैं। हमारी राजनैतिक पार्टियां इस शर्मनाक परिस्थितियों से देश को निकालने, पीड़िताओं को न्याय दिलाने और महिलाओं के लिए एक सुरक्षित समाज बनाने की बजाय यह चिंता करती है कि ऐसे मामलों का कैसे स्वयं फायदा उठाया जाए और दूसरों को उसका लाभ न लेने दिया जाए। अब यह देखा जाता है कि वह किस राज्य की घटना है और वहां किस दल की सरकार है? फिर, पीड़िता का सम्प्रदाय या जाति क्या है? उन्नाव, हाथरस से लेकर जम्मू-कश्मीर में ऐसी कई घटनाएं देखी गई हैं। कहीं बलात्कार के दोषियों को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय झंडों एवं धार्मिक नारों के साथ लोगों का हुजूम उमड़ता है तो कहीं बलात्कारी को जमानत मिलने पर राजनेता जेल के दरवाजे पर खड़े मिलते हैं। पीड़िताओं के खिलाफ ही मामले दर्ज करने या उनके अभिभावकों, परिजनों यहां तक कि वकीलों पर भी हमले करने या मार डालने की घटनाएं हुई हैं। इन मामलों को ऐसा राजनैतिक रंग दे दिया जाता है कि न्याय के दरवाजे बंद हो जाते हैं। पुलिस, मीडिया आदि भी दोषियों के पक्ष में दिखती हैं। 16 दिसम्बर, 2012 की रात दिल्ली में हुए निर्भया कांड के समय बना फंड दुष्कर्म पीड़िताओं के न तो न्याय पाने की दिशा में काम आ रहा है और न ही उनके पुनर्वास के। ऐसा इसलिए क्योंकि उसका मुश्किल से 27-28 फीसदी ही इस्तेमाल में लाया जाता है। शेष राशि अनुपयोगी रह जाती है। आश्चर्य की बात तो यह है कि ऐसी जघन्य घटना होने पर केन्द्र सरकार या गृह मंत्रालय का कोई नुमाइंदा नांगलगांव नहीं गया। ऐसे में, अगर कोई वहां जाता है तो उसकी होने वाली आलोचना हमारी राजनीति के स्तर को ही दर्शाती है। यह सोचने की बात है कि ऐसे में महिलाएं, अल्पसंख्यक, आदिवासी, दलित और कमजोर तबके किस तरह से अपने आपको इस समाज में महफूज़ पाएंगे? ऐसे वक्त में जब टोक्यो ओलिम्पिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही लड़कियों की देश भर में हमारी बेटियां', देश की बेटियां' कहकर सराहना हो रही है, तो वहीं दूसरी ओर एक दलित लड़की के साथ बलात्कार कर उसे जला दिये जाने जैसी घटना पर राजनीति हो रही है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यजनक है।

संपादकीय

संसद का काम, संसद का चलना

- राजेंद्र शर्मा

महामारी की सीधी मार तथा उसकी रोक-थाम के लिए आजमाए जा रहे लॉकडाउन समेत पाबंदी के विभिन्न उपायों के चलते, खासतौर पर मेहनतकशों के काम तथा आय के छिनने/ घटने से हो रही बदहाली के प्रति, मोदी सरकार की घोर निष्ठुरता का है। इस संकट के बीच, आम जनता के विशाल बहुमत की मदद करने के लिए, आय सुरक्षा तथा नकद सहायता मुहैया कराने जैसे कदम उठाने के बजाय, जो अन्य अधिकांश देशों ने अपनी सामर्थ्य के हिसाब से ही सही, उठाए जरूर हैं। पत्रकारिता की चालू भाषा में कहें तो संसद का पूरा मानसून सत्र हंगामे की ही भेंट चढ़ना, अब एक तरह से तय लगता है। पेगासस जासूसी कांड समेत विभिन्न मुद्दों पर प्राथमिकता देकर तथा विधिवत चर्चा कराए जाने की कमोबेश एकजुट विपक्ष की मांग और सत्तापक्ष के इस मांग से इंकार किए जाने के चलते, मानसून सत्र के पहले दो सप्ताह संसद में सामान्य स्थिति में काम के इंतजार में ही निकल गए। बहरहाल, इसके बाद भी सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बना गतिरोध खत्म होने और आखिरी दो-ढाई हफ्तों में संसद के कमोबेश सामान्य तरीके से काम करने की कोई उम्मीद थी भी, तो मंगलवार 3 अगस्त को संसद की बैठक के शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई। इस रोज, एक ओर राहुल गांधी द्वारा बुलाई गई नाश्ता बैठक से, 15 पार्टियों के नेताओं के साथ अनेक विपक्षी सांसद, विशेष रूप से तेल के लगातार बढ़ते दामों के मुद्दे पर एकजुट प्रदर्शन करते हुए, साइकिलों पर संसद पहुंचे। दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ताधारी पार्टी के संसदीय दल की बैठक में, विपक्ष को संसद न चलने देने का दोषी तो ठहराया ही, उसके ऐसा करने को %संविधान के विरुद्ध, संसद के विरुद्ध, लोकतंत्र के विरुद्ध और जनता के विरुद्ध% भी करार दे दिया! यह टकराव के और बढ़ने तथा गतिरोध के टूटने की संभावनाओं के द्वार बंद होने का ही संकेतक है। इस संदर्भ में इसका जिक्र करना अप्रासंगिक नहीं है कि वरिष्ठ भाजपा नेता और मोदी सरकार में एक हद तक अपनी स्वतंत्र हैसियत बनाए रहे वरिष्ठ मंत्री, राजनाथ सिंह इसके एक रोज पहले तक, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच के गतिरोध को तोड़ने का प्रयास भी कर रहे थे। विपक्ष के भी बड़े हिस्से का रुख उनके प्रयास के प्रति सकारात्मक था। लेकिन, भाजपा के मोदी-शाह के नेतृत्व ने, समाधान के लिए कोई भी पेशकश करने के मामले में उनके हाथ ही बांध दिए। इस तरह, विपक्ष की एक नहीं सुनने और खासतौर पर पेगासस कांड पर चर्चा तक करने के लिए तैयार न होने के अपने हठपूर्ण रुख से, भाजपा के मौजूदा नेतृत्व ने दोनों पक्षों के बीच समझौते के सारे रास्ते ही बंद कर दिए। वास्तव में मोदी सरकार ने जुलाई के आखिरी सप्ताहांत पर ही, विपक्ष पर इसके दावे के साथ हमला बोल दिया था कि उसके संसद न चलने देने से देश का बहुत भारी आर्थिक नुकसान हो रहा था। मानसून सत्र के पहले दो हफ्ते में ही, संसद के दोनों सदनों को मिलाकर, 107 घंटे काम हुआ था, जबकि सिर्फ 17 घंटे काम हुआ था। इस तरह करदाताओं के 130 करोड़ रुपए बर्बाद हो गए थे! संसद के काम करने न करने और करदाताओं के पैसे की बर्बादी के सवाल पर हम जरा बाद में आएंगे, यहां सिर्फ इतना जिक्र करना ही काफी होगा कि %देश के नुकसान% का यह प्रचार पहले दो-तीन दिन तक अनाम %सरकारी सूत्रों% के ही जिम्मे रहा था, लेकिन अब खुद प्रधानमंत्री ने इसकी कमान संभाल ली है। नरेंद्र मोदी के राज के सात साल में संसद की शक्तियों और काम-काज के बेतरह कतर दिए जाने के बावजूद, कम से कम इतना अनुमान तो कोई भी लगा सकता था कि संसद का मानसून सत्र हंगामी होगा। इसके पीछे एक बहुत ही महत्वपूर्ण तत्व तो पिछले साल मानसून सत्र में जबर्दस्ती संसद का ठप्पा लगवा कर थोपे गए मजदूरविरोधी तथा किसानविरोधी कानूनों के लगातार जारी विरोध का ही था। खासतौर पर किसानों के राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर चलते अविराम विरोध आंदोलन के आठ महीने पूरे हो रहे थे और तीनों काले कानूनों के वापस लिए जाने की मांग को लेकर किसान, संसद भवन से मुश्किल से एक किलोमीटर दूर, अपनी समांतर संसद चला रहे थे। यह मुद्दा, जिस पर मोदी की दूसरी पारी में सत्ताधारी एनडीए में पहली बड़ी फूट पड़ी थी और भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी पार्टी, अकाली दल सत्ताधारी गठजोड़ तथा उससे भी बढ़कर मोदी की सरकार से अलग हो गई थी, संसद के सत्र को हंगामी नहीं बनाता तो ही अचरज होता। ऐसा ही महत्वपूर्ण दूसरा मुद्दा कोरोना की दूसरी लहर के भयावह प्रकोप के बीच, खुलकर सामने आई मोदी सरकार की तैयारियों तथा व्यवस्थाओं की घोर विफलताओं का था। यह भी याद रखना चाहिए कि यह कोई बीते कल की चीर-फाड़ करने का ही मसला नहीं है। यह आने वाले कल का भी मसला है, जिसमें तीसरी लहर का जो कि और भी घातक भी हो सकती है, खतरा सिर पर मंडरा रहा है और यह खतरा इसलिए सिर पर मंडरा रहा है कि मोदी सरकार, कोविड-19 के टीके होने के बावजूद, देश की आबादी के लक्षित हिस्से का वांछित तेजी से टीकाकरण सुनिश्चित करने में विफल रही है, जबकि यह टीकाकरण ही संभावित तीसरी लहर या उसकी मारकता के खिलाफ सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी है।

अमीरों पर पलायन टैक्स लगाइए

भारतीय विद्वानों द्वारा पलायन के तीन कारण बताए जा रहे हैं। पहला कि भारत में आयकर की दर अधिक है। यह नहीं टिकता है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में भी आयकर की दरें ऊंची हैं। दूसरा कि भारत में शिक्षा के अवसर उपलब्ध नहीं है। यह नहीं टिकता है क्योंकि भारत की तुलना में मॉरिशस में शिक्षा के अवसर बहुत ही कम है। तीसरा कि तकनीक और बैंकिंग क्षेत्रों में अवसर कम है। यह भी नहीं टिकता है क्योंकि इंफोसिस एवं टाटा कंसलटेंट जैसी तमाम कंपनियां भारत में काम कर रही हैं। निजी बैंकों में भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

- भरत झुनझुनवाला

एक और कदम सरकार को उठाना चाहिए। जो शिक्षित एवं अमीर देश छोड़कर पलायन करना चाहते हैं उनसे भारत की नागरिकता छोड़ने के लिए विशेष टैक्स लगाकर भारी रकम वसूल करनी चाहिए। मेरे संज्ञान में ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने किसी समय अमेरिका की नागरिकता ले ली थी और बाद में वे उस नागरिकता को छोड़ना चाहते थे। अमेरिकी सरकार ने नागरिकता छोड़ने के लिए उनसे भारी मात्रा में एग्जिट टैक्स वसूल किया।

एफ्रो एशियन बैंक द्वारा 2018 में प्रकाशित %ग्लोबल वेल्थ माइग्रेशन रिव्यू% में बताया कि उस वर्ष चीन से 15000 अमीरों ने पलायन किया, रूस से 7000 ने, तुर्की से 4000 ने और भारत से 5000 अमीरों ने पलायन किया। इन चार में पहले तीन देश चीन, रूस एवं तुर्की में तानाशाही सरकार है जबकि भारत लोकतांत्रिक है। हम मान सकते हैं कि चीन आदि देशों से पलायन का कारण वहां की तानाशाही और घुटन हो सकती है लेकिन भारत का इस सूची में सम्मिलित होना खतरे की घंटी है क्योंकि हमारे यहां लोकतंत्र विद्यमान है। एफ्रो एशियन बैंक ने यह भी बताया है कि इन देशों से पलायन किये अमीरों में 12,000 ऑस्ट्रेलिया को गए, 10000 अमेरिका को, 4000 कैनेडा को और 100 से अधिक मॉरिशस को गए। इनमें ऑस्ट्रेलिया आदि पहले 3 देशों की बात समझ में आती है क्योंकि ये विकसित देश हैं। लेकिन मॉरिशस को 100 से अधिक अमीरों का पलायन चिंता का विषय है क्योंकि यदि मॉरिशस अमीरों को आकर्षित कर सकता है तो निश्चित रूप से भारत के लिए भी इन्हें आकर्षित करना संभव होना चाहिए था। लेकिन हमारी चाल उल्टी है और तेज होती जा रही है। कोविड के

संकट से पलायन की यह गति और तीव्र हो गई है। हेनेली एंड पार्टनर्स कंपनी द्वारा अमीरों को एक से दूसरे देश में पलायन करने में मदद की जाती है। इनके अनुसार वर्ष 2020 में भारत से पलायन करने वालों में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हमारे यहां से पलायन किए अमीर वह किसी दूसरे देश में जाकर बसे हैं जहां भी कोविड का संकट था इसलिए कोविड को पलायन में वृद्धि का कारण नहीं बताया जा सकता है।

भारतीय विद्वानों द्वारा पलायन के तीन कारण बताए जा रहे हैं। पहला कि भारत में आयकर की दर अधिक है। यह नहीं टिकता है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में भी आयकर की दरें ऊंची हैं। दूसरा कि भारत में शिक्षा के अवसर उपलब्ध नहीं है। यह नहीं टिकता है क्योंकि भारत की तुलना में मॉरिशस में शिक्षा के अवसर बहुत ही कम है। तीसरा कि तकनीक और बैंकिंग क्षेत्रों में अवसर कम है। यह भी नहीं टिकता है क्योंकि इंफोसिस एवं टाटा कंसलटेंट जैसी तमाम कंपनियां भारत में काम कर रही हैं। निजी बैंकों में भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

भारत से पलायन का पहला सच्चा कारण सुरक्षा का है। देश की पुलिस अकर्मण्य और अक्सर भ्रष्ट है। अमीरों को अपने परिवार की सुरक्षा की विशेष चिंता होती है। वे नहीं चाहते कि किसी चौराहे पर उनके परिवार को अगवा कर लिया जाए। दूसरा कारण धार्मिक उन्माद है। अमीर लोग धन कमाना चाहते हैं। उन्हें शांत और स्थिर सामाजिक वातावरण चाहिए होता है। अपने देश में धार्मिक विवाद पूर्व से ही थे। वर्तमान समय में ये बढ़ ही रहे हैं। तीसरा कारण मीडिया और मनोरंजन की स्वतंत्रता का अभाव है। वर्तमान समय में सरकार द्वारा पूरा प्रयास किया जा रहा है कि आलोचना को दबाया जाए। आलोचकों को देशद्रोह के मामलों में उलझाया जा रहा है। सरकार द्वारा आलोचक मीडिया पर भी विभिन्न प्रकार से दबाव बनाया जा रहा है। मेरी दृष्टि से इन 3 कारणों से भारत से अमीरों का भारी संख्या में पलायन हो रहा है और इस पलायन का फल है कि देश की आर्थिक विकास दर 2014 से 2019 के पिछले 5 वर्षों से लगातार गिर ही रही थी। वर्तमान समय में कोविड के संकट में इसमें और तीव्र गिरावट आई है। भारत की अर्थव्यवस्था एक वैक्यूम क्लीनर द्वारा संचालित की जा रही है जो देश की संपत्ति को खींच कर विदेशों को भेज रहा है। कोई आश्चर्य नहीं है कि कोविड के संकट के कारण हम चीन से आगे निकलने के स्थान पर और पीछे होते जा रहे हैं।

इस परिस्थिति में सरकार को निम्न कदम पर विचार करना चाहिए। पहले, सुरक्षा का वातावरण सुधारने के लिए शीर्ष पुलिस अधिकारियों का बाहरी मूल्यांकन कराना चाहिए। पांचवें वेतन आयोग ने सुझाव दिया था कि सभी क्लास-ए अधिकारियों का हर 5 वर्ष में बाहरी मूल्यांकन कराया जाए। इससे सरकार को वास्तव में सूचना मिलेगी कि कौन अधिकारी देश के नागरिकों की सुरक्षा वास्तव में हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा एक अलग पुलिस भ्रष्टाचार जासूस तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए जो पुलिस महकमे में व्याप्त भ्रष्टाचार को स्वसंज्ञान लेकर ट्रैप करे।

दूसरा विषय धार्मिक उन्माद का है। धार्मिक उन्माद का अपने देश में ही केरल राज्य में पिछले 70 वर्षों में व्याप्त नहीं था। केरल के लोगों से पूछो कि वे हिन्दू हैं या ईसाई तो वे भौंचक होकर देखते थे। उन्हें समझ नहीं आता था कि यह सवाल क्यों पूछा जा रहा है। केरल में शिक्षा का स्तर अधिक होना इस धार्मिक सामंजस्य का एक कारण हो सकता है। वहां के नागरिक एक दूसरे के धर्म मर्म को समझते हैं और एक दूसरे से घृणा नहीं करते हैं। मलेशिया में धार्मिक शांति स्थापित है यद्यपि विभिन्न धर्मों के अनुयाई वहां रहते हैं।

भारत बन सकता है खेल जगत की एक बड़ी ताकत, नई खेल संस्कृति का नतीजा

उत्साहजनक और संतोषजनक केवल यह नहीं है कि टोक्यो गए हमारे अनेक खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं बल्कि यह भी है कि वे देश में एक नई खेल संस्कृति विकसित हो जाने की गवाही भी दे रहे हैं। टोक्यो ओलिंपिक अभी जारी है और भारत ने दो रजत पदक समेत कुल पांच पदक अपनी झोली में कर लिए हैं। यदि कुछ और पदक मिल जाते हैं, जिनकी उम्मीद भी है, तो भारत के लिए टोक्यो ओलिंपिक सर्वश्रेष्ठ साबित हो सकते हैं। आशा की जानी चाहिए ऐसा ही होगा। अभी तक जिन भी खिलाड़ियों ने पदक हासिल किए हैं, वे बधाई और प्रशंसा के हकदार हैं। उन्होंने अपने साथ देश का नाम भी ऊंचा किया है और यह उम्मीद जगाई है कि आने वाले समय में भारत खेल जगत की एक बड़ी ताकत बन सकता है। अब तो यह भी लग रहा है कि उन खेलों में भी हमारे खिलाड़ी कामयाबी हासिल कर सकते हैं, जिनमें कुछ समय पहले तक कोई खास उम्मीद नहीं नजर आती थी, जैसे कि एथलेटिक्स। इसी तरह आखिर किसने कल्पना की थी कि हाकी की पुरुष और महिला, दोनों ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी? आखिरकार ऐसा ही हुआ और पुरुष हाकी टीम ने तो 41 साल बाद ओलिंपिक में कांस्य पदक अपने नाम किया। यह स्वर्णिम आभा वाला कांस्य पदक है, क्योंकि हर देशवासी भारतीय हाकी के उत्थान के सपने संग जी रहा था। हाकी में मिला कांस्य पदक देश में इस खेल का कायाकल्प करे, इस उम्मीद के साथ यह भी कामना करनी चाहिए कि महिला हाकी टीम भी एक नया इतिहास लिखे। उत्साहजनक और संतोषजनक केवल यह नहीं है कि टोक्यो गए हमारे अनेक खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, बल्कि यह भी है कि वे देश में एक नई खेल संस्कृति विकसित हो जाने की गवाही भी दे रहे हैं। भले ही अपने प्रदर्शन से देश-दुनिया का ध्यान खींचने वाले कुछ खिलाड़ी पदक तालिका में अपना नाम अंकित न कर सके हों, लेकिन वे अपनी हिम्मत और कौशल से बेहतर भविष्य की मुनादी कर रहे हैं। यह नतीजा है उस नई खेल संस्कृति का, जो हाल के वर्षों में विकसित की गई और जिसके तहत खिलाड़ियों को कहीं बेहतर सुविधाओं के साथ समुचित प्रशिक्षण दिया गया। जहां कुछ खिलाड़ियों को विदेशी प्रशिक्षक उपलब्ध कराए गए, वहीं कुछ को विशेष प्रशिक्षण के लिए विदेश भी भेजा गया। यह सब इसीलिए हो पाया, क्योंकि खेल संघों पर काबिज तमाम ऐसे लोगों को किनारे कर पेशेवर व्यक्तियों को लाया गया, जो उन्हें अपनी जागीर की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। इसके चलते खेल और खिलाड़ियों को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाती थी, जो जरूरी थी। टोक्यो ओलिंपिक के समापन के वक्त भारत की झोली में चाहे जितने ज्यादा पदक हों, यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि खेल एवं खिलाड़ियों को और अच्छे से विकसित करने के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

स्वर्ण से कम नहीं यह कांस्य

क्या खूब खेली हमारी हॉकी टीम! दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने कुछ मिनटों के अंतराल पर ही दो गोल दाग दिए थे और हम 3-1 से पिछड़ गए। मगर उसी क्वार्टर के आखिरी पांच मिनटों में हमारे लड़कों ने खेल बराबर कर दिया। और, इसके बाद जो कुछ हुआ, वह इतिहास है। 41 साल के बाद हमारी पुरुष हॉकी टीम ओलंपिक के पोडियम पर पहुंची। वाकई, क्या जोश और जज्बा था खिलाड़ियों में। अगर उन्हें आधा घंटा और खेलना पड़ता, तब भी उनके चेहरे पर थकान नहीं दिखती। हालांकि, इस जीत में कुछ योगदान किस्मत का भी रहा। आखिरी पांच सेकंड में जिस तरह से जर्मनी को पेनाल्टी मिली और हमारे गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने जिस तत्परता से उसे रोका, वह चमत्कार जैसा ही था। एकाध बार तो गेंद हमारी गोलपोस्ट के दाएं-बाएं से निकल गई। फिर भी, ओलंपिक का यह कांस्य किसी स्वर्ण पदक से कम नहीं है। इस टीम से पदक की उम्मीद ओलंपिक के पहले से ही की जा रही थी। इस भविष्यवाणी का आधार हमारी ताकत, कमजोरी पर मेहनत और हमारा मनोबल था। टीम का ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना, विश्व हॉकी की रैंकिंग में आठवें से चौथे स्थान पर आना, और बड़ी-बड़ी टीमों के खिलाफ पूरे जोश के साथ सफलतापूर्वक लड़ना, हरेक हॉकीप्रेमी को आश्वस्त कर रहा था कि यह अटीम टोक्यो से पदक लेकर ही लौटेगी। शुरुआती मैच हम न्यूजीलैंड से जीते, फिर ऑस्ट्रेलिया से हारे, लेकिन इन जीत-हार के बावजूद पुल से आगे बढ़े और सेमीफाइनल में पहुंचे। हम चूंकि नीचे से उठकर ऊपर पहुंचे थे, जिससे टीम में काफी विविधता थी, सोचने-खेलने की अलग-अलग प्लानिंग थी और हमारा उत्साह भी चरम पर था। फिर भी, हम सेमीफाइनल जीत नहीं सके। खास बात यह कि हमारे खिलाड़ियों ने इस हार को ओढ़ा नहीं। प्रधानमंत्री ने भी बाकायदा टीम को सराहा, जिसने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया होगा। उन्हें महसूस हुआ होगा कि हार के बाद भी उन्हें अपने देश, लोग और सरकारों की तरफ से पूरा प्यार मिल रहा है। ऐसे में, रुपिंदर पाल सिंह, हरमनप्रीत, अमित रोहिदास जैसे खिलाड़ी जर्मनी के खिलाफ मैच में हमारी ऐतिहासिक जीत की रीढ़ बन गए। यहां मुझे अनायास 1972 के ओलंपिक खेल याद आ रहे हैं, जिसकी टीम का मैं भी सदस्य था।

हम हरित वीर

स्वर्ग से सुंदर होगा
जहां हमारा
हम इतने वृक्ष लगाएंगे
वृक्ष लगा
अनगिनत धरा पर
हरा भरा कर जाएंगे
हम हरित वीर कहलाएंगे
हम हरित वीर कहलाएंगे।
करेंगे तन मन
अर्पण सब
तेरे जीवन की
राह बनाएंगे
आने ना देंगे
खरोंच एक भी
हम सबको
शिक्षित कर जाएंगे
है तेरे जीवन का
मूल्य निराला
हम तुझ पर
मर मिट जाएंगे
हम हरित वीर कहलाएंगे
हम हरित वीर कहलाएंगे ।।
धन ऐश्वर्य
और संपदा का
मानव जीवन में
खेल निराला है
जो बच जाते
इन इच्छाओं से
वह सच्चे हरित वीर कहलाएंगे।
सच्चे हरित वीर कहलाएंगे।
पशु,पक्षी
नर अरु नारी
आजीवन
तेरे ही गुण गाएंगे
समझ बूझ कर
मूल्य तुम्हारा
हम तेरा कर्ज चुकाएंगे
हम हरित वीर कहलाएंगे
हम हरित वीर कहलाएंगे।।
अनुपम अविनाश
आजाद नगर
हरदोई

सैनिकों को सरहद पर ऐक्टर्स की तरह रीटेक का मौका नहीं मिलता: सिद्धार्थ मल्होत्रा

हर साल अगस्त महीने की शुरुआत होते ही देश के साथ-साथ सिनेमाई पर्दे पर भी देशभक्ति का रंग घुलने लगता है। इसी रंग को और चटख बनाने के लिए बॉलिवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा देशभक्ति से ओतप्रोत फिल्म शेरशाह लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में वे करगिल वॉर के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा की भूमिका में नजर आएंगे। परमवीर चक्रम प्राप्त कैप्टन विक्रम बत्रा करगिल युद्ध के असली हीरो थे। उनकी जाबांजी के किस्से न सिर्फ हिंदुस्तान, बल्कि पाकिस्तान में भी सुनाए जाते हैं। कैप्टन विक्रम बत्रा की बहादुरी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है करगिल में पाकिस्तान के घुसपैठिए सैनिकों ने ही उन्हें कोडनेम शेरशाह दिया था। नवभारत टाइम्स से एक्सक्लूसिव बातचीत में सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं कि उनकी पूरी कोशिश रही है कि वह कैप्टन विक्रम बत्रा की कुर्बानी को सही ढंग से दर्शा सकें। सिद्धार्थ कहते हैं कि सैनिकों को सरहद पर ऐक्टर्स की तरह रीटेक का मौका नहीं मिलता।

कैप्टन विक्रम बत्रा जैसे देश के लिए मर-मिटने वाले नायक की भूमिका की रूह तक जाने के लिए आपने क्या तैयारियां कीं: कैप्टन बत्रा की जिंदगी की कहानी है, वह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं पूरी इंडियन आर्मी और देश के लिए बहुत गर्व की बात है। मेरे लिए यह भावनात्मक सफर था। फिल्म को बनने में समय लगा और मैं उनके परिवार को बहुत पहले से जानता हूं, तो मेरी कोशिश यही थी कि मैं इनकी कुर्बानी को सही ढंग से दर्शा सकूं। मैंने दो किस्म की तैयारियां की। पहले तो आप उनकी दिमागी प्रेम करते हैं और दूसरी शारीरिक तैयारी होती है कि जो वह इंडियन आर्मी में थे, तो उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होनी चाहिए। मैं विक्रम के जुड़वा भाई को बहुत पहले से जानता था। वे एक मिडिल क्लास, प्यारे और पंजाबी घर से ताल्लुक रखते थे। उनका दूसरा पहलू इंडियन आर्मी का था, जहां वे सर्विस कर रहे थे। जब वह मिशन पर जाते थे, तो उनके जूनियर का मानना था कि अगर बत्रा साहब लीड कर रहे हैं, तो हम आराम से जा सकते हैं, क्योंकि वे हमारा खयाल रखेंगे। शारीरिक रूप से मैंने मुंबई में आर्मी के जवानों के साथ ड्रिल्स और हथियार को सीखने और समझने का प्रयास किया। करगिल जैसी जगह पर भी आर्मी का प्रशिक्षण लिया। तकरीबन 6 महीने की ट्रेनिंग ली, ताकि भूमिका सच्ची लगे।

आप खुद आर्मी बैकग्राउंड से हैं तो सिद्धार्थ मल्होत्रा होने के नाते आप देश के लिए अपना फर्ज क्या मानते हैं: एक नागरिक होने के नाते आप कोई भी काम कर लें, इंडियन आर्मी की सर्विस की बराबरी कोई नहीं कर सकता। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मैंने देखा कि एक फौजी को जिस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और जिस किस्म की मानसिक और जिस्मानी सख्ती चाहिए होती है उसके लिए हम सिर्फ उनका धन्यवाद ही अदा कर सकते हैं। कड़कती धूप और जमा देनेवाली ठंड में वे सीमा पर डटे रहते हैं। कारगिल में 14000 फिट की ऊंचाई पर शूटिंग करने के दौरान हमें भी बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हमारे पास फिर भी रीटेक का ऑप्शन था, मगर उनको असल जिंदगी में रीटेक्स नहीं मिलते हैं। इस वजह से हमारे कितने जवान शहीद हुए। मैं इस इंटरव्यू में कुछ भी कहूं, वह हमारे जवानों की शहादत और उनके फर्ज के बराबर कभी हो ही नहीं सकता। एक अभिनेता होने के नाते मैं यही कर सकता हूं कि इस फिल्म और अपने किरदार के जरिए मैं इंडियन आर्मी के जज्बे, उनकी शहादत और खूबियों को दर्शा कर आज के युवाओं को प्रेरित कर सकूं।

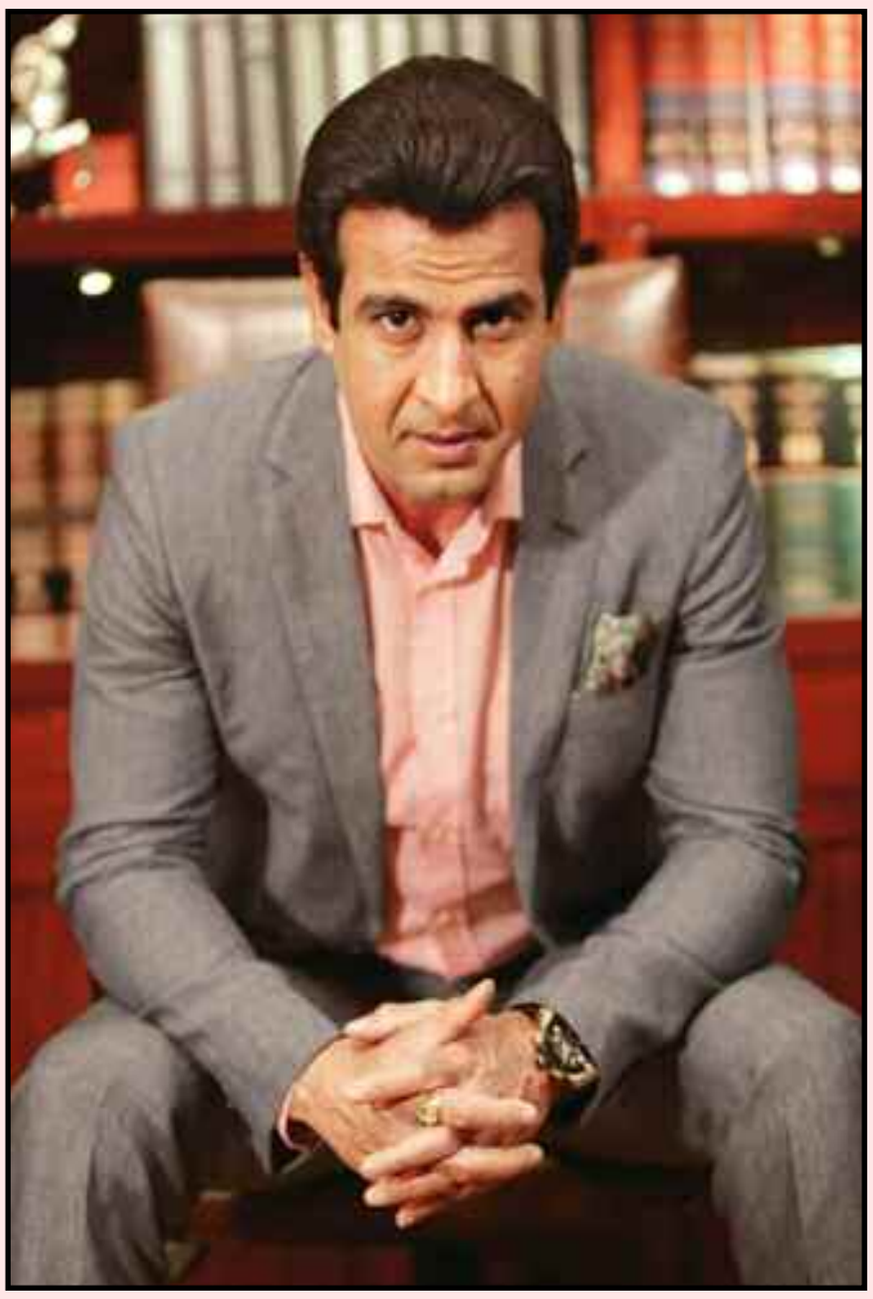

कोविड काल को याद कर रोनित रॉय का छलका दर्द

कोविड का बुरा प्रभाव आम इंसान से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक पर भी देखने को मिला है। कोविड का कहर कम जरूर हुआ है, लेकिन अभी तक खत्म नहीं हुआ है। ऐसे में अब अभिनेता रोनित रॉय ने कोविड काल के बारे में बात करते हुए अपने साथ बीते वक्त का जिक्र किया है। बातचीत में रोनित ने अमिताभ और अक्षय की भी तारीफ की।

सिक्योरिटी एजेंसी चलाते हैं रोनित

दरअसल अभिनेता रोनित रॉय, सेलेब्स के लिए ऐस सिक्योरिटी एंजेंसी भी चलाते हैं। ऐसे में टाइम्स ऑफ इंडिया के संग बातचीत के दौरान रोनित ने कहा, कोविड का मुझ पर भी बहुत असर पड़ा। मार्च 2020 के लॉकडाउन के बाद मैंने अपनी सिक्योरिटी एजेंसी बंद करने का फैसला लिया।

अमिताभ- अक्षय ने नहीं छोड़ा साथ

रोनित ने आगे कहा, %मैंने इस बारे में अपनी पत्नी नीलम से बातचीत की तो समझ आया कि बहुत कुछ चल रहा है। किसी वर्कर की पत्नी प्रेग्नेंट है, तो किसी की मां बीमार है। ऐसे में मैंने उन सभी को सैलरी देता रहा, लेकिन मेरे क्लाइंट्स, जो कि सेलेब्स हैं, वो ही चले गए। सिर्फ अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार ने इस मुसीबत के वक्त में मेरा साथ नहीं छोड़ा और मैं उनका आभारी हूं।%

अब रोस्टर पर कोई नहीं

रोनित ने आगे बताया कि जब काम दोबारा शुरू हुआ तो मैंने अपने 110 इम्प्लॉयज को वापस ड्यूटी के लिए बुलाया तो उन में से 40 ने वापस आने से मना कर दिया और कहा कि वे वापस नहीं आना चाहते। मैंने बुरे वक्त में उनका साथ दिया, आर्थिक मदद की लेकिन इसके बाद भी उन्होंने ऐसा किया। एक बार फिर रोहित ने एजेंसी शुरू कर दी है, लेकिन इस बार रोस्टर पर कोई नहीं है, बल्कि सैलरी के लिए कुछ अलग प्लान तैयार किया है।

टीवी और बॉलीवुड में किया काम

इंटरव्यू में रोनित से जब पूछा गया कि आखिर कौनसे सेलेब्स ने उनका साथ छोड़ा तो अभिनेता ने कहा, उन्होंने जिनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है। कुछ ने बाद में वापसी की लेकिन मैंने ही उनके साथ काम करने से मना कर दिया। बता दें कि रोनित ने टीवी के साथ ही बॉलीवुड में भी कई फिल्मों में काम किया है।

'शोले' में धर्मेंद्र ने दिलाया था अमिताभ बच्चन को रोल, शत्रुघ्न सिन्हा को ऑफर की गई थी 'जय' की भूमिका

बॉलिवुड की हिट फिल्म शोले में धर्मेंद्र (वीरू) और अमिताभ बच्चन (जय) की जोड़ी को लोगों ने खूब पसंद किया था। जय का रोल पहले शत्रुघ्न सिन्हा को ऑफर किया गया था लेकिन धर्मेंद्र के कारण ये रोल अमिताभ बच्चन को मिला और शत्रुघ्न सिन्हा फिल्म से बाहर हो गए। फिल्म शोले में हेमा मालिनी, जया बच्चन, अमजद खान, संजीव कुमार भी महत्वपूर्ण भूमिका में थे।

***Highway* फिल्म में लीड ऐक्टर कौन है? जवाब दीजिए इनाम मिलेगा:** *एक इंटरव्यू में धर्मेंद्र ने स्वीकार किया कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को काम दिलाने में भूमिका निभाई। इसके साथ धर्मेंद्र ने कहा कि वह इसके बारे में पब्लिकली इसलिए बात कर रहे हैं कि क्योंकि अमिताभ बच्चन ने उन्हें खुद धन्यवाद दिया था। शोले फेम ऐक्टर धर्मेंद्र ने इस फोटो के साथ एक खूबसूरत कैप्शन शेयर किया है। लिखा है, किया इश्क जो दिल की गहराई से...बुलंदियों ने बाहें खोल दीं...शुक्रिया दोस्तों..। आप सबकी चाहता का जी जान से शुक्रिया।*

धर्मेंद्र को बॉलिवुड में यारों का यार माना जाता है। उनके सभी से बेहतर रिश्ते हैं। धर्मेंद्र काफी भावुक इंसान भी माने जाते हैं। इस समय धर्मेंद्र खेतों में सभी प्रकार की सब्जियां उगा रहे हैं। उन्हें यह करना बेहद पसंद है। पिछले दिनों उन्होंने इसका विडियो भी जारी किया था। धर्मेंद्र ने साल 2018 में आप की अदालत में कहा, मैंने इस बारे में कभी बात नहीं कि लेकिन जब से अमिताभ बच्चन ने कहना शुरू किया कि मैंने उन्हें रोल दिलाने में मदद की। मैं यही कहूंगा, हां, मैंने उन्हें रोल दिलाने में मदद की। वह मेरे पास आते थे, लेकिन ये रोल शत्रुघ्न सिन्हा को मिलने वाला था। धर्मेंद्र ने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा ने उनसे बात भी कि उन्होंने अमिताभ बच्चन का नाम क्यों सुझाया। इस पर धर्मेंद्र ने उनसे कहा, यार, कुछ समझ नहीं आता, वो पहले आया, सोचा चलो बेचारे को दे दो। हाल ही में शत्रुघ्न सिन्हा इंडियन आइडल 12 में गेस्ट के तौर पर नजर आए थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि जब फिल्म शोले बन रही थी तब उनके पास इसका ऑफर आया था लेकिन उनके पास समय नहीं था क्योंकि वह दो फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे और वह फिल्म शोले नहीं कर पाए। शत्रुघ्न सिन्हा ने आगे बताया, मुझे फिल्म शोले न कर पाने से दुख है लेकिन इसके

'न्यूड नहीं हुई, निर्देशक के साथ सोई नहीं, खोए कई प्रोजेक्ट', जब नरगिस फाखरी का छलका था दर्द

मॉडल और अभिनेत्री नरगिस फाखरी को फिल्म 'रॉकस्टार' के लिए जाना जाता है। नरगिस ने बॉलीवुड में कम ही फिल्में की हैं। वह अपने बेबाक बयान देने से नहीं चूकतीं। एक्ट्रेस कई बार सर्जरी की सलाह से लेकर कास्टिंग काउच पर खुलकर बात कर चुकी हैं।

कई प्रोजेक्ट खोए

पूर्व पोर्न स्टार ब्रिटनी डी ला मोरा के साथ बातचीत करते हुए नरगिस फाखरी ने अपने करियर की मुश्किलों पर बात की थी। नरगिस ने कहा था कि 'मैं किसी चीज की भूखी हूं? मुझे प्रसिद्धि की भूख नहीं है कि मैं न्यूड पोज दे दूं या फिर कुछ अन्य चीजें या फिर निर्देशक के साथ सोऊं। मैंने कई मौके खो दिए क्योंकि कुछ चीजें मैंने नहीं कीं। यह दिल तोड़ने वाला है। मैं वहां टिके रहने की कोशिश कर रही हूं जहां मेरे हाई स्टैंडर्ड हैं। बहुत बुरा लगता है क्योंकि मुझे कई बार बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इससे मुझे दुख हुआ लेकिन मैं खुद से कहती रही कि जो लोग अपने मूल्यों पर टिकेंगे वहीं जीतेंगे। खुद के प्रति ईमानदार रही और किसी को मुझे किसी चीज के लिए मनाने की जरूरत नहीं है। मेरे लिए नैतिक मूलियों से ज्यादा कुछ नहीं है।'

बॉलीवुड में खुश

नरगिस कहती हैं कि 'मैं खुश हूं कि मैं बॉलीवुड में हूं क्योंकि वे सेक्स सीन्स नहीं करते। मॉडलिंग के दिनों में कई बार टॉपलेस और नेकेड शॉट्स के लिए पूछा गया लेकिन मैं इन सब में कंफर्टेबल नहीं हूं।'

मुख्य फिल्में

नरगिस की मुख्य फिल्मों 'मद्रास कैफे', 'किक' और 'हाउसफुल 3' हैं। आखिरी बार वह 2020 में संजय दत्त के साथ 'तोरबाज' में नजर आई थीं।

'बेल बॉटम' का पहला गाना 'मरजावां' रिलीज, वाणी कपूर के साथ रोमांस करते दिखे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की फिल्म 'बेल बॉटम' के ट्रेलर को सोशल मीडिया पर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म का पहला गाना आज यानी 6 अगस्त को रिलीज किया गया है। इसमें अक्षय कुमार और वाणी कपूर की जोड़ी है। गाने में दोनों के बीच जबरदस्त बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। फिल्म में अक्षय कुमार रॉ एजेंट की भूमिका में हैं जबकि वाणी उनकी पत्नी का किरदार कर रही हैं। इनके अलावा फिल्म में लारा दत्ता और हुमा कुरैशी अहम भूमिका में हैं। गाने को गुरनजर और असीस कौर ने गाया है।

अक्षय ने शेयर किया वीडियो: वीडियो की शुरुआत में अक्षय कुमार गाना गाते हैं और गिटार बजाते हैं। वहीं वाणी प्यारी सी मुस्कान के साथ उन्हें देख रही होती हैं। गाने की शूटिंग अलग-अलग

विदेशी लोकेशन पर की गई है। गाना रिलीज होने के साथ फैंस फिल्म को लेकर और एक्साइटेड हो गए हैं। अक्षय कुमार ने गाने को शेयर करते हुए लिखा- 'बेलबॉटम का मेरा पसंदीदा गाना मरजावां अब रिलीज हो गया है। शूटिंग के वक्त से इसकी धुन मेरे दिमाग में चढ़ी हुई है।'

सिनेमाघरों में होगी रिलीज: कोरोना महामारी के चलते पिछले काफी समय से फिल्म को टाला जा रहा था। आखिरकार अब 'बेल बॉटम' 19 अगस्त को सिनेमाघरों मे रिलीज होगी। दर्शक इसका मजा 3डी में भी देख सकेंगे। फिल्म का निर्देशन रंजीत तिवारी ने किया है। इसके प्रोड्यूसर वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख, मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवाणी और निखिल आडवाणी हैं।

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्में: अक्षय एक के बाद एक फिल्मों में व्यस्त हैं। उन्होंने सारा अली खान और धनुष के साथ फिल्म 'अतरंगी रे' की शूटिंग काफी पहले ही खत्म कर दी। इसके अलावा अक्षय की 'सूर्यवंशी' लंबे समय से रिलीज का इंतजार कर रही है। कोविड की वजह से यह कई बार टल चुकी है। इन सभी फिल्मों के साथ ही अक्षय कुमार के पास 'पृथ्वीराज', 'रक्षा बंधन' और 'बच्चन पांडे' भी है।

भोजपुरी स्टार संजीव मिश्रा और मणि भट्टाचार्य ने रचा ली शादी

भोजपुरी ऐक्ट्रेस मणि भट्टाचार्य की दुल्हन बनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लेकिन हर कोई उनकी इस शादी से हैरान है कि आखिर ये क्या हुआ। दरअसल मणि भट्टाचार्य ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वो दुल्हन बनीं नजर आ रही हैं। बता दे कि ये दूल्हा कोई और नहीं बल्कि भोजपुरी फिल्मों के पावर स्टार संजीव मिश्रा हैं। मणि भट्टाचार्य की इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि उन्होंने पावर स्टार संजीव मिश्रा से शादी कर ली है। फोटो पोस्ट होते ही फैंस ने सोशल मीडिया पर दोनों को बधाई भी देनी शुरु कर दी। लेकिन असल में सच ये है कि मणि की शादी असलियत में नहीं बल्कि फिल्मी शादी है दोनों ने कल रात सीतामढ़ी में फिल्माए फिल्म %प्रोडक्शन न.1% के एक सीन के सीक्वेंस है। इस फिल्म के सेट से वीडियो भी सामने आया है जिसमें वो पावर स्टार संजीव मिश्रा के साथ सात फेरे लेते हुए नजर आ रही हैं। आयुष मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी रही फिल्म के निर्देशक सतेंद्र तिवारी ने बताया कि यह शादी पूरी तरह रस्मों रिवाजों से हुई, जिसे देख कर कोई नहीं कह सकता है कि यह फिल्मी शादी है। पूरी तरह से उतना ही ट्रीटमेंट हुआ किया गया जितना रियल शादी में होता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक दिन इतना बड़ा शादी के सेटअप लगाया गया, इस शादी को देखने के लिए सेट पर सैकड़ो लोग मौजूद रहे। फिल्म के मुख्य किरदार में पावर स्टार संजीव मिश्रा, मणि भट्टाचार्य, आयुषी तिवारी, अनूप अरोड़ा, विनोद मिश्रा, नीलम पाण्डेय, दिनेश सिंह बागड़ी, शिखा चौबे, रत्नेश वर्णवाल, भूताली मैन, आशीष सिंह मंटू, सन्नी कुमार हैं। फिल्म के निर्माता आयुष मोशन पिक्चर्स है जबकि लेखक कृष्णा झा हैं। संतोष कुमार संगीत ने दिया है और गीत वीरेद्र पाण्डेय, हरेराम डेंजर, डीओपी चन्द्रिका प्रसाद के हैं। ऐक्शन दिनेश यादव का है। शेखर यादव कार्यकारी निर्माता और सुभाष प्रजाति प्रॉडक्शन मैनेजर हैं।

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर दागे रॉकेट्स, आयरन डोम डिफेंस सिस्टम ने बचाया

इजरायली सेना ने कहा है कि दक्षिण लेबनान से इजरायल पर कम से कम 10 रॉकेट दागे गए हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बेरूत

इजरायल का लेबनान और ईरान के साथ मामला एक बार फिर बढ़ता जा रहा है। ईरान समर्थित लेबनानी ग्रुप हिजबुल्लाह ने कहा है उसने 6 अगस्त को विवादित इजरायली शेबा फ़ार्म्स क्षेत्र में रॉकेट दागे हैं। हिजबुल्लाह का कहना है कि यह इजरायली हवाई हमलों का जवाब था। हालांकि इस हमले में किसी की मौत नहीं हुई है और न ही कोई घायल हुआ है। इजरायली सेना ने कहा है कि दक्षिण लेबनान से इजरायल पर कम से कम 10 रॉकेट दागे गए हैं। हम लेबनान में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्च साइट्स पर हमला कर रहे हैं। इजरायली सेना ने बताया है कि हिजबुल्लाह द्वारा छोड़े जा रहा अधिकतर रॉकेट्स आयरन डोम डिफेंस सिस्टम द्वारा इंटरसेप्ट किए गए हैं। बाकी के रॉकेट खुले क्षेत्रों में गिरे हैं। किसी भी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। पिछले तीन दिनों से लेबनान और इजरायल के बीच रॉकेट हमले जारी हैं। साल 2006 के बाद से यह पहली बार है जब इजरायल और हिजबुल्लाह खुलकर आमने-सामने हैं।

दक्षिणी लेबनान इलाके में हावी है हिजबुल्लाह

लेबनान सेना के एक अधिकारी ने बताया है कि सेना को अभी तक दक्षिण लेबनान से दागे गए रॉकेटों की कोई पुष्ट जानकारी नहीं है, जहां ईरान समर्थित हिजबुल्लाह समूह ने हजारों रॉकेट रखे हैं। बता दें कि हिजबुल्लाह समूह दक्षिणी लेबनान इलाके में हावी है। हिजबुल्लाह, इजरायल की संप्रभुता को मान्यता नहीं देता है। इजरायल, अमेरिका सहित कई देश हिजबुल्लाह को आतंकवादी ग्रुप मानते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मोदी और जेटली स्टेडियम के भी बदलो नाम, खेल रत्न का नाम बदलने पर बोली कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार किये जाने के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर महान हॉकी खिलाड़ी के नाम का उपयोग अपने राजनीतिक उद्देश्य के लिए करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम एवं दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम का नाम भी बदला जाना चाहिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी देश के नायक हैं जो किसी पुरस्कार से नहीं, बल्कि अपनी शहादत, विचार और आधुनिक भारत के निर्माण के लिए जाने जाते हैं। सुरजेवाला ने कहा, %%राजीव गांधी इस देश के लिए नायक थे, हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा, हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के प्रति सम्मान प्रकट करने का कांग्रेस स्वागत करती है। लेकिन नरेंद्र मोदी जी उनका नाम अपने छोटे राजनीतिक उद्देश्यों के नहीं घसीटते तो अच्छा होता। बहरहाल, हम मेजर ध्यानचंद के नाम पर खेल रत्न पुरस्कार का नाम रखने का स्वागत करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ओलंपिक वर्ष में जब खेल का बजट घटा दिया गया तो नरेंद्र मोदी जी ध्यान भटकाने का काम कर रहे हैं। कभी किसानों की समस्या से तो कभी जासूसी के मामले से और कभी महंगाई से ध्यान भटका रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा, अब हमें उम्मीद है कि देश के खिलाड़ियों के नाम पर और स्टेडियम एवं योजनाओं का नाम रखा जाएगा। सबसे पहले नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदल दीजिए, अरुण जेटली स्टेडियम का नाम बदल दीजिए, भाजपा नेताओं के नाम से निर्मित स्टेडियम के नाम बदल दीजिए। अब पीटी ऊषा, मिल्खा सिंह, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, अभिनव बिंद्रा, लिएंडर पेस, पुलेला गोपीचंद और सानिया मिर्जा के नाम पर स्टेडियम के नाम रखिये।

घर के बाहर से 5 साल की बच्ची को उठा ले गया तेंदुआ, कुछ दूर जाकर बनाया निवाला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी में एक पांच साल की बच्ची को घर के बाहर से तेंदुआ उठा ले गया और जंगल में जाकर उसे निवाला बना लिया। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बच्ची बिहार के रहने वाले मजदूर मनोज की बेटी प्रियंका थी। जंगल से सटे कांलोंग इलाके में एक कंस्ट्रक्शन साइट के पास बने अस्थायी घर के बाहर वह गुरुवार रात करीब 8:30 बजे खेल रही थी। तभी तेंदुए ने उसे दबोच लिया।

शिमला डिविजन के वन्य अधिकारी कृष्ण कुमार ने कहा कि शुक्रवार सुबह 200-250 मीटर दूर एक नाले में उसकी खोपड़ी मिली। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। कुमार ने कहा कि पुलिस ने रात 10:30 बजे विभाग को घटना की सूचना दी। 20-25 मिनट के भीतर टीम मौके पर पहुंच गई थी। वन विभाग और पुलिस की टीम ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया।

तलाशी अभियान के दौरान खून के कुछ निशान दिखे थे, जिससे साफ हो गया था कि जानवर ने बच्ची की जान ले ली है। तड़के 2 बजे तक तलाशी जारी रहा, लेकिन अंधेरे की वजह से सफलता नहीं मिली। इसके बाद अभियान को रोकना पड़ा। शुक्रवार सुबह दोबारा लड़की की तलाश शुरू हुई तो कुछ घंटों बाद नाले के पास खोपड़ी मिली। फॉरेंसिक टीम ने इसे जांच के लिए भेजा है और बच्ची के परिवार से डीएनए का मिलान किया जाएगा। फॉरेंसि रिपोर्ट में यह भी सामने आ सकता है कि जानवर ने बच्ची को मारा या नहीं साथ यह यही भी पता लगाया जा सकता है कि तेंदुआ एक ही था या अधिक। डीएफओ ने कहा कि बच्ची के परिवार को 4 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। घटना के बाद से इलाके के लोगों में डर है। डीएफओ ने कहा कि तेंदुए को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इससे पहले 21 जून को भी कृष्णा नगर इलाके में एक युवक पर तेंदुए ने हमला किया था।

अफगानिस्तान में लौटा कट्टरता का दौर

तालिबान ने ऐतिहासिक गुरुद्वारा से हटाया निशान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान में तालिबान का खूंखार दौर लौटने के साथ ही दूसरे धर्म के लोगों की लिए मुसीबतों का दौर शुरू हो गया है। खबरों के मुताबिक अफगानिस्तान के पक्तिया प्रांत में स्थित चमकानी इलाके के गुरुद्वारा थाला साहिब की छत से तालिबान ने सिखों के पवित्र ध्वज निशान साहिब को उतरवा दिया है। इस ऐतिहासिक गुरुद्वारे पर श्री गुरु नानक देव भी गए थे। न्यूज एजेंसी एएनआई से जुड़े नवीन कुमार ने इसे लेकर एक ट्वीट भी किया है, जिसमें ध्वज के स्थान से निशान साहिब हटा दिख रहा है। इसी गुरुद्वारे से बीते साल निदान सिंह सचदेवा नाम के शख्स को किडनैप कर लिया गया था। अब एक बार फिर से निशान साहिब उतारे जाने के चलते यह गुरुद्वारा चर्चा में है। निदान सिंह सचदेवा को अफगान सरकार और समुदाय के बड़े नेताओं के प्रयासों के बाद तालिबान से 22 जून, 2020 को रिहा कराया गया था। इससे पहले बीते

साल मार्च में काबुल में एक आतंकी हमले में सिख समुदाय के 30 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने ली थी। हालांकि भारतीय अधिकारियों का कहना था कि इसमें हक्कानी नेटवर्क और लश्कर-ए-तैयबा का हाथ था। बीते कुछ दिनों में अफगानिस्तान में तालिबान का आतंक बढ़ा है। कवि, लेखक, कॉमेडियन समेत कई लोगों को तालिबान अब तक मौत के घाट उतार चुका है। यही नहीं भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की भी तालिबान ने जघन्य हत्या कर दी थी। हालांकि तालिबान ने दानिश सिद्दीकी की हत्या से इनकार किया था। अमेरिकी सेनाओं की सितंबर तक अफगानिस्तान से पूरी तरह वापसी होनी है। इसके चलते तालिबान ने एक बार फिर से सिर उठाना शुरू कर दिया है। इस साल मई के बाद से अब तक उसने अफगानिस्तान के ग्रामीण इलाकों में कब्जे करना शुरू कर दिया था। यही नहीं अब प्रांतों की राजधानियों में भी अब तालिबान ने कब्जे करना शुरू कर दिया है।

ईरान के नए राष्ट्रपति से मिले विदेश मंत्री जयशंकर, अफगानिस्तान को लेकर क्या बात हुई?

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज तेहरान

इब्राहिम रईसी ईरान के नए राष्ट्रपति बने हैं। उन्होंने 5 अगस्त को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर भी पहुंचे थे। 6 अगस्त को एस जयशंकर ने इब्राहिम रईसी से भारत-ईरान संबंधों सहित कई मसलों पर बातचीत की है। रईसी से मिलने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट कर लिखा, %ईरानी राष्ट्रपति रईसी को पीएम नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत अभिवादन से अवगत कराया। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता जाहिर हुई। आपकी टीम के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं। ईरान ने कहा है कि ईरान, भारत के साथ व्यापक संबंध स्थापित करने को विशेष महत्व देता है। आज से, हमें एक नए दृष्टिकोण के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विकास में नए और विशिष्ट कदम उठाने चाहिए। जयशंकर के साथ बैठक में ईरानी राष्ट्रपति रईसी ने कहा, %ईरान और भारत क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में रचनात्मक और उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। खासकर अफगानिस्तान में। तेहरान, अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थापित करने में नई दिल्ली की भूमिका का स्वागत करता है।%

कौन हैं इब्राहिम रईसी?

जून 2021 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में रईसी ने एकतरफा जीत हासिल की थी। माना जाता है कि रईसी, ईरान के सुप्रीम लीडर आयातुल्लाह अली खामेनेई के बेहद भरोसेमंद हैं। रईसी को कट्टरपंथी धड़े का नेता माना जाता है। वो अमेरिका सहित पश्चिमी देशों से मसलों को सुलझाने में कुछ ख़ास यकीन नहीं रखते। हालांकि उन्होंने कहा है कि वह अमेरिका के लगाए मनमाने प्रतिबंधों को हटाने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।

तालिबान ने अफगान सरकार के मीडिया और सूचना निदेशक की हत्या की

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान सरकार के मीडिया और सूचना निदेशक दावा खान मेनपाल की काबुल में हत्या कर दी गई है। तालिबान ने दावा खान की हत्या की जिम्मेदारी ली है। टोलो न्यूज़ ने इस बात की जानकारी दी है। यह हत्या तालिबान द्वारा काबुल में रक्षा मंत्री के घर पर हमले के कुछ दिनों बाद हुई है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने दावा खान की मौत को लेकर कहा है कि दावा को उसके कार्यों के लिए दंडित किया गया है। टदावा लगातार अफगान सरकार की बातों और स्टैंड को ट्वीट किया करते थे। दावा खान हालिया दिनों में पाकिस्तानी छद्म युद्ध के खिलाफ बहुत बोल रहे थे। बता दें कि दावा खान अफगान सरकार के पूर्व प्रवक्ता रहे हैं। अफगानिस्तान गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मीरवाइस स्टानिकजई ने दावा की हत्या को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, %क्रूर आतंकियों ने एक बार फिर कायरतापूर्ण काम किया है। एक देशभक्त अफगान को शहीद कर दिया। अफगानिस्तान में तालिबान की हिंसा बेरोकटोक जारी है। तालिबान ने एक बच्ची को बुर्का न पहनने के लिए मौत का घाट उतार दिया है। पिछले ही हफ्ते तालिबान ने मशहूर अफगान कॉमेडियन की हत्या कर दी थी। 5 अगस्त को तालिबान ने अफगानिस्तान के प्रसिद्ध कवि और इतिहासकार अब्दुल्ला आतिफी की हत्या कर दी थी।

महिला को 55 साल की उम्र में हुए तीन बच्चे, 35 साल के लंबे इंतजार के बाद कपल ने भगवान को कहा- शुक्रिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केरल में 55 साल की उम्र में एक महिला ने 3 बच्चों को जन्म दिया है। शादी के 30 साल से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी इस कपल को कोई बच्चा नहीं था। अब 55 साल कि सिसी ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि आखिरकार उन्हें अपनी प्रार्थनाओं का जवाब मिल गया। सिसी ने कहा कि हम एक बच्चे के लिए बरसों से प्रार्थना कर रहे थे। भगवान

ने अब हमें 3 बच्चे दिये। समाज में बिना बच्चों के किसी महिला का रहना काफी मुश्किल होता है। महिला ने एर्णाकुमल के मुवाटूपूजहा स्थित साबिन अस्पताल में अपने तीनों स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है। सिसी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि एक महिला मां नहीं बन सकती है, यह बात कितनी चुभती है यह सिर्फ वो महिला ही समझ सकती है, जो इससे गुजरती है। यह सबसे मुश्किल और डरावना अनुभव है जिससे एक महिला गुजरती है। हालांकि, अब हमें अपनी जिंदगी के सबसे खुशनुमा पलों को गुजारना है। सिसी के 59 साल के पति जॉर्ज एंटोनी ने कहा कि इससे ज्यादा खुशी की बात कुछ हो ही नहीं सकती है। उन्होंने बताया कि करीब 34 साल तक इलाज चला। उन्होंने ना सिर्फ केरल बल्कि विदेशों में भी इलाज करवाया। जिंदगी में निराशा भर गई थी लेकिन आखिरकार हम जिस पीड़ा से गुजरे वो अब खत्म हो चुकी है। आपको बता दें कि सिसी और जॉर्ज की शादी साल 1987 में हुई थी। इससे पहले वो गल्फ में काम करते थे और वहीं रहते थे।

अब गोगरा से भी पीछे हटे चीनी सैनिक, बोरिया-बिस्तर भी ले गए साथ

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच 31 जुलाई को सैन्य बातचीत के बाद दोनों देशों ने शांति की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सहमति के मुताबिक, दोनों देशों ने गोगरा इलाके में डिसइंगेजमेंट को अंजाम दिया है। दोनों ही देशों ने अग्रिम इलाकों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। इसके साथ ही बनाए गए अस्थायी ढांचे भी नष्ट कर दिए गए हैं। यहां तनातनी से पहले वाले हालात को बहाल किया गया है। इससे पहले फरवरी में पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से चीन पीछे हटा था। भारत और चीन के सैनिक पिछले साल अप्रैल से ही पूर्वी लद्दाख के कई इलाकों में आमने-सामने थे और जून में हिंसक झड़प भी हुई थी। भारतीय सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि समझौते के तहत LAC के इस इलाके की सख्ती से निगरानी की जाएगी और दोनों पक्ष इसका सम्मान करेंगे। यथास्थिति को एकतरफा नहीं बदला जाएगा। सेना ने कहा कि इसके साथ ही एक और संवेदनशील इलाके में टकराव खत्म कर दिया गया है। दोनों पक्षों ने बातचीत को आगे बढ़ाने और वेस्टर्न सेक्टर में एलएसी के बाकी मुद्दों को सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई है।

न्यूज ब्रीफ

हॉकी खिलाड़ी नीलकांत के लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री ने पुरस्कार की घोषणा की

इम्फाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को 75 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को नीलकांत से फोन पर बात भी की और उन्हें राज्य में उचित सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों को भी बधाई दी। उन्होंने नीलकांत को बताया कि उन्हें पहले की घोषणा के अनुसार 75 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले मणिपुर के खिलाड़ी के लिए 1.2 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को एक करोड़ रुपए जबकि कांस्य पदक विजेता के लिए 75 लाख रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की थी। नीलकांत मणिपुर के पूर्वी इम्फाल जिले के कोंथा अहालुप माखा लेईकाई क्षेत्र के निवासी हैं।

इंग्लैंड को लगा बड़ा झटका, टी20 विश्व कप और एशेज में नहीं खेल पाएंगे जोफ्रा आर्चर

लंदन। आगामी टी-20 विश्व कप और एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। सफेद गेंद क्रिकेट में इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर चोट के कारण शेष वर्ष क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की है। समझा जाता है कि आर्चर की दाहिनी कोहनी पर दोबारा फ्रैक्चर हो गया है और उन्हें इस चोट से उबरने में समय लगेगा, इसलिए वह पूरा साल क्रिकेट नहीं खेलेंगे। आर्चर काफी समय से अपनी दाहिनी कोहनी को लेकर परेशानी से जूझ रहे हैं, जिसके चलते उन्हें 2020 में दक्षिण अफ्रीका दौरे और इस साल की शुरुआत में भारत के दौरे के दौरान कुछ मैचों और पूरे आईपीएल सत्र से बाहर होना प?ा था। ईसीबी ने एक बयान में कहा, 'जोफ्रा आर्चर ने पिछले हफ्ते अपनी चोटिल दाहिनी कोहनी का और स्कैन कराया था। स्कैन से पता चला कि उनकी कोहनी में दोबारा फ्रैक्चर हुआ है। इसके मद्देनजर वह शेष वर्ष के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे और भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला, टी-20 विश्व कप और ऑस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला से भी बाहर रहेंगे। आर्चर ने हाल ही में काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए क्रिकेट में वापसी की थी, लेकिन दूसरी पारी में उनकी कोहनी की चोट गंभीर हो गई थी।

हॉकी के मेजर को मिला सम्मान

खेल रत्न पुरस्कार से राजीव गांधी का नाम हटा, अब यह ध्यानचंद के नाम से दिया जाएगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को खेल से जुड़ा बड़ा फैसला लिया है। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड कर दिया गया है। मोदी ने इस फैसला का ऐलान करते हुए कहा कि ये अवॉर्ड हमारे देश की जनता की भावनाओं का सम्मान करेगा। मोदी ने कहा- ध्यानचंद भारत के पहले खिलाड़ी थे, जो देश के लिए सम्मान और गर्व लाए। देश में खेल का सर्वोच्च पुरस्कार उनके नाम पर रखा जाना ही उचित है। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार भारतीय खेलों का सर्वोच्च पुरस्कार है। सरकार ने 1991-92 में इस पुरस्कार की शुरुआत की थी। इसे जीतने वाले खिलाड़ी को प्रशस्ति पत्र, अवॉर्ड और 25 लाख रुपए की राशि दी जाती है। सबसे पहला खेल रत्न पुरस्कार पहले भारतीय ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद को दिया गया था। अब तक 45 लोगों को ये अवॉर्ड दिया जा चुका है। हाल में क्रिकेटर रोहित शर्मा, पैरालंपियन हाई जम्पर मरियप्पन थंगवेलु, टेबल टेनिस प्लेयर मनिका बत्रा, रेसलर विनेश फोगाट को ये अवॉर्ड दिया गया है। हॉकी में अब तक 3 खिलाड़ियों को खेल रत्न अवॉर्ड मिला है। इसमें धनराज पिल्ले (1999/2000), सरदार सिंह (2017) और रानी रामपाल (2020) शामिल है।

कांस्य पदक विजेता इक्का-दुक्का बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को आंध्र प्रदेश के सीएम वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने विजयवाड़ा में सम्मानित किया।

ब्रॉन्ज मेडल से चूकीं भारत की बेटियां, हॉकी में ब्रिटेन ने कड़े मुकाबले में 4-3 से हराया

बढ़त मिलने के बाद उसे कायम नहीं रख सकी टीम इंडिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

भारत की महिला हॉकी टीम का टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया। ब्रॉन्ज मेडल मैच में ग्रेट ब्रिटेन ने भारत को 4-3 से हरा दिया। कड़े मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल दिखाया और दूसरे क्वार्टर में 3-2 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, टीम इस बढ़त को कायम नहीं रख सकी और ब्रिटेन ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में 15 मिनट के अंदर 2 गोल दाग 4-3 से मैच जीत लिया। टीम इंडिया ने इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया था। टीम इससे पहले सिर्फ 2 बार ओलिंपिक खेली है। 1980 में टीम टॉप-4 में पहुंची थी। उस वक्त सेमीफाइनल फॉर्मेट नहीं था। वहीं 2012 रियो ओलिंपिक में टीम 12वें स्थान पर रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। उन्होंने कहा- हम ओलिंपिक में हमेशा अपने महिला खिलाड़ियों के परफॉर्मेंस को याद रखेंगे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अपना बेस्ट दिया। महिला हॉकी टीम का हर खिलाड़ी हिम्मत, आत्मविश्वास और स्किल से भरा है। भारत को अपनी महिला हॉकी टीम पर गर्व है।

2-0 से पिछड़ने के बाद भारत ने वापसी की

2-0 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर में जबरदस्त वापसी की थी और 4 मिनट के अंदर 3 गोल दागे। गुरजीत कौर ने 25वें और 26वें मिनट में गोलकर पहले स्कोर 2-2 से बराबर किया। इसके बाद वंदना कटारिया ने 29वें मिनट में गोलकर टीम इंडिया को लीड दिला दी थी। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में ब्रिटेन की पियर्ने वेब ने 35वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने अटैकिंग हॉकी खेली। ग्रेट ब्रिटेन ने मैच के दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारत की गोलकीपर सविता पूनिया ने इसका अच्छा बचाव किया। ब्रिटेन ने 10वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया ने फिर से शानदार बचाव कर ब्रिटेन के इस पेनाल्टी कॉर्नर को भी नाकाम कर दिया। पहले क्वार्टर में जहां ब्रिटेन हावी रही थी, वहीं दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया इंडिया हावी रही। उसने इस क्वार्टर में तीन गोल किए और ब्रिटेन पर 3-2 की बढ़त बनाई। ब्रिटेन की ओर से एली रायर ने 16वें मिनट और सारा रॉबर्टसन ने 24वें मिनट में गोल कर ब्रिटेन को बढ़त दिला दी थी।

महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल में प्रियंका और भावना मेडल नहीं जीत सकी

» बजरंग पूनिया सेमीफाइनल में हारे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

भारतीय महिला हॉकी टीम को ब्रॉन्ज मेडल जीतने का सपना टूटा। ग्रेट ब्रिटेन की टीम ने भारत को 4-3 से हराया। चौथे और आखिरी क्वार्टर में ब्रिटेन ने चौथा गोल दागकर 4-3 की बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रहा। वहीं 20 किलो मीटर रेस वॉक प्रियंका चौधरी और भावना जाट मेडल जीतने में सफल नहीं हो पाई हैं। बजरंग पूनिया सेमीफाइनल में वहीं 65 किलो वेट में बजरंग पूनिया सेमीफाइनल में अजरबैजान के पहलवान हाजी अलीयेव से हार गए हैं, इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में ईरान मोर्टेजा घियासी को हराया था। पूनिया ने ईरान के मोर्टेजा घियासी से पीछे चल रहे थे, उसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए चित्त कर दिया। घियासी एशियाई चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट है। बजरंग ने प्री-क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के एर्नाजर

अकमातालिवे को हराया। ईरान के मोर्टेजा ने पूर्व अफ्रीकी चैंपियन ट्यूनीशिया के हैथेम दखलौई को हराया। महिलाओं के फ्रीस्टाइल 50 किग्रा वर्ग में भारत की सीमा बिस्ला को ट्यूनीशिया की सारा हमदी से1-3 से हार का सामना करना पड़ा है। महिला टीम ने 2-0 से पिछड़ने के बाद दूसरे क्वार्टर में जबरदस्त वापसी की और 4 मिनट के अंदर 3 गोल दागे। गुरजीत कौर ने 25वें और 26वें मिनट में गोलकर पहले स्कोर 2-2 से बराबर किया। इसके बाद वंदना कटारिया ने 29वें मिनट में गोलकर टीम इंडिया को लीड दिला दी।

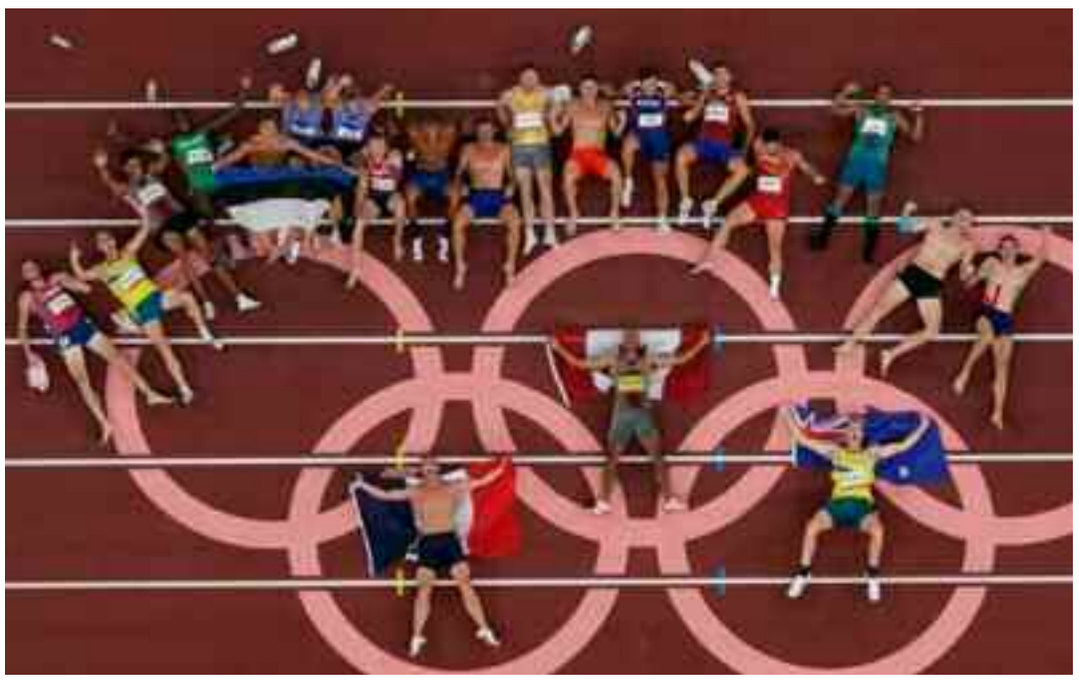

पुरुषों के डिकैथलॉन के एथलीट टोक्यो में 2020 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में ओलंपिक रिंग पर एक तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

अदिति अशोक रच सकती हैं इतिहास : ओलिंपिक मेडल से बस एक कदम दूर भारत की महिला

3 राउंड के बाद दूसरे नंबर पर हैं अदिति, आज फाइनल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

टोक्यो ओलिंपिक में भारत के लिए एक और मेडल की उम्मीद बढ़ गई है। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक इतिहास रचने के करीब पहुंच गई हैं। शुक्रवार को 23 साल की अदिति महिलाओं के इंडिविजुअल स्ट्रोक प्ले के तीसरे राउंड के बाद दूसरे स्थान पर हैं। शनिवार को चौथा राउंड खेला जाएगा। फिलहाल अमेरिका की कोरडा नेली पहले नंबर पर हैं। अगर अदिति नेली के 3 स्ट्रोक की बढ़त को खत्म करने में कामयाब हो जाती हैं तो फिर

वह गोल्ड मेडल भी जीत सकती हैं। ओलिंपिक में गोल्फ सिर्फ चौथी बार खेला जा रहा है।

पिछले 3 दिनों में अदिति का बेहतरीन प्रदर्शन

अदिति ने पिछले 3 दिनों में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। पहले राउंड से वे दूसरे पोजिशन पर कायम हैं। एक दो स्ट्रोक में वे पिछड़ जरूर गई थीं, पर उन्होंने वापसी की और दूसरा स्थान पक्का किया। अगर खराब मौसम के कारण शनिवार को फाइनल राउंड नहीं होता है तो अदिति सिल्वर मेडल अपने नाम कर लेंगी। वहीं अगर फाइनल राउंड पूरा होता है तो वह गोल्ड मेडल जीतने की प्रबल दावेदार होंगी।

न्यूज ब्रीफ

ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज के शेयर चार प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज के शेयर शुक्रवार को इसके निर्गम मूल्य 720 रुपये के मुकाबले चार फीसदी से अधिक प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए। ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज के शेयर बीएसई पर निर्गम मूल्य से 4.31 फीसदी बढ़त के साथ 751.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में शेयर 11.10 फीसदी उछलकर 799.95 रुपये के भाव पर आ गए। एनएसई पर इसने 4.16 प्रतिशत बढ़त के साथ 750 रुपये पर शुरुआत की। पिछले महीने ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज के प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को 44.17 गुना अभिदान मिला था, जबकि बोली के लिए कीमत का दायरा 695-720 रुपये प्रति शेयर था।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा की। इसकी मुख्य बातें निम्नलिखित हैं

- मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने लगातार सातवीं बार प्रमुख नीतिगत दर (रेपो) को 4 प्रतिशत पर बरकरार रखा।
- इसके परिणामस्वरूप रिवर्स रेपो भी 3.35 प्रतिशत पर कायम।
- बैंक दर 4.25 प्रतिशत पर बरकरार।
- रिजर्व बैंक आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिये मौद्रिक नीति के रुख को नरम बनाये रखेगा।
- खुदरा मुद्रास्फीति 2021-22 में 5.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में घटकर 5.1 प्रतिशत पर आने की संभावना।
- रिजर्व बैंक ने जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा।
- आरबीआई ने जी-सैप (सरकारी प्रतिभूति खरीद कार्यक्रम) दो के तहत अगस्त में 25,000-25,000 करोड़ रुपये की दो और नीलामी का प्रस्ताव किया।
- फरवरी 2019 से रेपो दर में 2.5 प्रतिशत की कटौती, बैंक ब्याज दर में 2.17 प्रतिशत की कमी।
- आरबीआई ने कहा कि घरेलू बाजार में कर्ज की लागत कम हुई है।
- सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), आवास और बड़े उद्योगों के लिये नीतिगत दर में कटौती का लाभ बेहतर रहा है।
- व्यक्तिगत आवास ऋण और वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र के लिये ब्याज दरों में उल्लेखनीय कटौती अर्थव्यवस्था के लिये बेहतर साबित हुई है।
- आरबीआई ने नकदी के मोर्चे पर अतिरिक्त उपायों की घोषणा की।
- कोविड महामारी के बाद से आरबीआई ने उसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिये 100 से अधिक उपायों की घोषणा की।

ईवी एक्सपो 2021

इवेंट में 80 कंपनियां शामिल हो रहीं, इसमें ज्यादातर बैटरी बनाने वाली

2015 के बाद से अब तक एक्सपो में क्या बदला है: 2015 में 80 फीसदी डिस्प्ले चीनी प्रोडक्ट का होता था। ई-रिक्श, टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर सभी चीन से मंगाए जाते थे। 2019 तक आते-आते ये चीजें एकदम उलट हो गईं। अब एक्सपो में चीनी कंपनियों के डिस्प्ले 20 प्रतिशत भी नहीं रह गए।

48 हजार में 150 किमी चलने वाली बाइक बटोर सकती है सुर्खियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की राजधानी नई दिल्ली में आज (6 अगस्त) से 11वां इलेक्ट्रिक व्हीकल एक्सपो शुरू हो चुका है। ये इवेंट 8 अगस्त तक चलेगा। फरवरी 2020 के बाद से देश में होने वाला ये पहला एक्सपो भी है। इस इवेंट के दौरान देश की कई कंपनियां अपने ई-व्हीकल, बैटरी और इनसे जुड़ी एक्सेसरीज को पेश करेंगी।

इस इवेंट का आयोजन कैसे किया जाता है?

अल्टीअस ऑटो सॉल्यूशन इस एक्सपो को ऑर्गनाइज करती है। इवेंट के लिए मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट, ICAT, MSME, NSIC का सपोर्ट मिलता है। 2015 से लगातार अल्टीअस इस इवेंट का आयोजन कर रही है। आखिरी आयोजन 2019 में हुआ था। कोरोना महामारी की वजह से 2020 में इसका आयोजन नहीं किया गया। इस बार के लिए हमारी पूरी तैयारी हो चुकी है।

इस बार एक्सपो में कितनी कंपनियां शामिल हो रही हैं?

एक्सपो में कुल 80 कंपनियां शामिल हो रही हैं। इनमें चीन और जापान की भी 4 कंपनियां हैं, लेकिन इन सभी के ऑफिस हमारे देश में हैं। वैसे हर साल एक्सपो में करीब 200 कंपनियां शामिल होती हैं, जिसमें 40 प्रतिशत तक कंपनियां बाहर की होती हैं, लेकिन इस बार कोविड की वजह से कम ही कंपनियां शामिल हो रही हैं।

एक्सपो में ज्यादातर कंपनियों का फोकस कहां रहेगा?

सरकार ने बीते महीने ई-स्कूटर पर सब्सिडी को बढ़ाकर डेढ़ गुना कर दिया है। यानी पहले जहां प्रति किलोवॉट बैटरी पर 10,000 रुपए की छूट मिल रही थी, उसे बढ़ाकर 15,000 रुपए कर दिया गया है। इसी वजह से ज्यादातर कंपनियों का फोकस ई-स्कूटर की तरफ हो गया है। इसमें करीब 20 कंपनियां ई-स्कूटर की रहेंगी। वहीं, कुछ कंपनियां ई-रिक्शा और ई-ऑटो की शामिल हो रही हैं। हालांकि, इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बनाने वाली कोई भी कंपनी नहीं आ रही।

बैटरी बनाने वाली कितनी कंपनियां इवेंट में शामिल हो रही हैं?

अब ई-स्कूटर का प्रोडक्शन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से बैटरी बनाने वाली कंपनियों की संख्या भी बढ़ रही है। हालांकि, सरकार द्वारा जो सब्सिडी मिल रही है वो सिर्फ लिथियम बैटरी पर ही दी जा रही है। इसी वजह से एक्सपो में लगभग 25 कंपनियां लिथियम बैटरी से जुड़ी शामिल हो सकती हैं।

क्या इवेंट में सस्ती ई-बाइक और ई-स्कूटर लॉन्च होगा?

इस एक्सपो में अल्टीअस भी स्प्लेंडर जैसी फैमिली बाइक लेकर आ रही है। इसे 6 अगस्त को इवेंट में लॉन्च किया जाएगा। सब्सिडी के साथ इसकी कीमत करीब 48 हजार रुपए होगी। ये बाइक सिंगल चार्जिंग के बाद 140 से 150 किमी तक की रेंज देगी। इसी तरह कंपनी एक इलेक्ट्रिक स्कूटर भी लॉन्च कर रही है, जो सिंगल चार्ज पर 110 किमी तक की रेंज देगी। ये सब्सिडी के साथ ग्राहक को करीब 35,000 रुपए में मिलेगा।

विजिटर्स को लेकर एक्सपो में क्या तैयार की गई हैं?

सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के मुताबिक, प्रति 3 स्क्वायर मीटर में एक विजिटर आ सकेगा। वहीं, इस इवेंट को 5500 स्क्वॉयर मीटर में किया जा रहा है। तो इसी हिसाब से विजिटर्स को एंट्री दी जाएगी। विजिटर्स के लिए एंट्री एकदम फ्री रहेगी। इस बात की कोशिश की जाएगी कि जो विजिटर्स गाड़ियां देख चुके हैं उन्हें हॉल से बाहर किया जाएगा। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के बीच ई-व्हीकल की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। ये पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। पेट्रोल और ई-स्कूटर की तुलना की जाए तो पेट्रोल से चलने वाला कोई भी स्कूटर 2 रुपए प्रति किमी तक पड़ता है।

पेगासस संबंधी खबरें सही तो आरोप गंभीर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर पेगासस सॉफ्टवेयर से जासूसी कराने संबंधी समाचार माध्यमों में प्रकाशित खबरें सही हैं तो यह एक गंभीर आरोप है। दूसरी तरफ पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने फिर कहा कि लोगों पर निगरानी रखने एवं उनकी जासूसी कराने के आरोप निराधार हैं। भाजपा नेता ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, %विपक्ष के पास अपने आरोप सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं है। संसद के मॉनसून सत्र के ठीक पहले कुछ लोगों ने एक सोची-समझी साजिश के तहत यह मामला उछाला है। इस बीच, कानूनी मामलों की खबर देने वाले समाचार पोर्टल लाइवलॉ के अनुसार शीर्ष न्यायालय ने इस मामले में दायर नौ याचिकाओं का पक्ष रखने वाले वकीलों को याचिकाओं की प्रति भारत सरकार को भी देने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा कि 10 अगस्त को इस मामले की अगली सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से नोटिस स्वीकार करने के लिए कोई उपस्थित रहना चाहिए। इन याचिकाओं में पेगासस से कथित जासूसी कराने के आरोपों की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण ने कहा, इस संबंध में जो खबरें आ रही हैं अगर उनमें सच्चाई है तो फिर जासूसी के आरोप गंभीर हैं। रमण ने यह भी पूछा कि पेगासस मामले पर अब क्यों याचिकाएं दायर हो रही हैं जबकि इससे जुड़ा मामला 2019 में भी सामने आया था। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी पूछा कि जिन लोगों की जासूसी हुई थी उन लोगों ने प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई थी। एन वी रमण और न्यायमूर्ति सूर्यकांत के पीठ ने इन याचिकाओं पर नोटिस जारी नहीं किया लेकिन उसने इन याचिकाओं में से एक याचिका में (प्रधानमंत्री को) व्यक्तिगत रूप से पक्षकार बनाए जाने पर आपत्ति जताई। लाइवलॉ ने खबर दी है कि पत्रकार रूपेश कुमार सिंह और ईप्सा शताक्षी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने कहा कि वर्तमान कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने का प्रावधान नहीं है।

कॉमन कार्ड से मिलेगी लोकल ट्रेन में सफर की छूट !

नई दिल्ली। लोकल ट्रेन में सफर पर लगे प्रतिबंधों में छूट देने को लेकर राज्य सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। अदालत ने भी राज्य सरकार को कॉमन कार्ड देने पर विचार करने को कहा ताकि वे बिना रोक टोक अपनी यात्रा एवं काम कर सकें। रेलवे का कहना है कि अगर राज्य सरकार मुंबई की लोकल ट्रेन में आम लोगों को यात्रा करने की मंजूरी देने के संबंध में प्रस्ताव दे, तो एक बार फिर इस सेवा को आम लोगों के लिए बहाल किया जा सकता है। राज्य सरकार जल्द फैसला लेने की बात कर रही है। इस साल कोविड-19 महामारी की खतरनाक दूसरी लहर की वजह से अप्रैल में यहां उपनगरीय ट्रेन सेवा आम लोगों के लिए निलंबित कर दी गई थी।

पिछली तिथि से कराधान खत्म

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार ने पिछली तिथि से लागू कर कानून को लेकर कंपनियों में भय को खत्म करने के लिए लोकसभा में आज एक विधेयक पेश किया। इसके तहत केयर्न एनर्जी और वोडाफोन पीएलसी जैसी कंपनियों से पूर्व की तिथि से कर की मांग को वापस लिया जाएगा। सरकार ने यह भी कहा कि वह इस तरह के कर के जरिये वसूले गए धन को वापस कर देगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया। इसके तहत भारतीय परिसंपत्तियों के अप्रत्यक्ष हस्तांतरण पर कर लगाने के लिए पिछली तिथि से लागू कर कानून, 2012 का इस्तेमाल करके की गई कर मांगों को वापस लिया जाएगा। विधेयक में कहा गया है कि पिछली तिथि से कराधान की कोई भी मांग भविष्य में नहीं की जाएगी। इन मामलों में भुगतान की गई राशि को बिना किसी ब्याज के वापस करने का भी प्रस्ताव किया गया है और इस संबंध में सभी लंबित मुकदमों को वापस ले लिया जाएगा। इस विधेयक का सीधा असर केयर्न एनर्जी और वोडाफोन समूह के साथ लंबे समय से चल रहे कर विवाद पर होगा।

भारत सरकार पिछली तिथि से लागू कर कानून के खिलाफ इन दोनों कंपनियों द्वारा किए गए मध्यस्थता मुकदमों में हार चुकी है। हालांकि सरकार ने मध्यस्थता आदेश को संबंधित अदालतों में चुनौती भी दी है। वैसे, वोडाफोन मामले में सरकार की कोई देनदारी नहीं है, लेकिन उसे केयर्न एनर्जी को 1.2 अरब डॉलर वापस करने हैं। विधेयक में कहा गया कि विदेशी कंपनी के शेयरों के हस्तांतरण के जरिये भारत में स्थित संपत्ति के हस्तांतरण की स्थिति में होने वाले लाभ पर कराधान का मुद्दा लंबी मुकदमेबाजी का विषय था।

बढ़ती महंगाई से सतर्क आरबीआई

नीतिगत दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला, 2021-22 के लिए जीडीपी ग्रोथ अनुमान 9.5 फीसदी रहने की उम्मीद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा समिति हर दो महीने में होने वाली यह बैठक शुक्रवार को खत्म हो गई है। 3 दिन तक चले वाली इस बैठक में 6 सदस्यीय समिति ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला लिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे ऋक्च गवर्नर शक्तिकांता दास ने सुबह 10 बजे प्रेस से बातचीत में इसकी जानकारी दी। यानी नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कोरोना का खतरा अभी टला नहीं

RBI ने रेपो रेट 4 फीसदीऔर रिवर्स रेपो रेट 3.35 फीसदी को जस का तस रखने का फैसला लिया। इसके पक्ष में MPC के 6 में से 5 सदस्यों ने वोट किया। गवर्नर दास ने कहा कि अभी कोरोना का खतरा टला नहीं है। तीसरी लहर के खिलाफ हमें सतर्क रहने की जरूरत है। नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव न होने से लोन EMI भरने वाले कर्जदारों को झटका लगा है। क्योंकि उन्हें कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों से राहत की संभावना न के बराबर हो गई है। MPC के मुताबिक इकोनॉमी ग्रोथ अच्छी है। इसे वैक्सीनेशन बढ़ने का सपोर्ट मिल रहा है। हालांकि, जून में महंगाई बढ़ी है। ऐसे में ग्रोथ के लिए पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत है। गवर्नर ने कहा कि हमारा फोकस सप्लाई डिमांड को बेहतर करने पर है। रिजर्व बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2021-22 के लिए अपना अनुमान भी जस का तस रखा है, जो कि 9.5 फीसदीहै। RBI ने 2021-22 के लिए रिटेल महंगाई दर 5.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। क्योंकि शहरी मांग में धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है। साथ ही ग्रामीण इलाकों में निजी खपत भी बढ़ रही है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।